राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 290 बुद्धवार 12 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या पहुंची 45 करोड़ के पार,

माघ पूर्णिमा आज, फिर बनेगा रिकॉर्ड

महाकुंभ नगर ।

महाकुंभ मेले में संगम में स्नान करने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और आम स्नानार्थियों की संख्या मंगलवार को 45 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को दोपहर 12 बजे तक 10 लाख कल्पवासियों समेत कुल 81.60 लाख लोगों ने स्नान किया और 13 जनवरी से अभी तक 45.58 करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं। बयान के मुताबिक, मंगलवार की सुबह 8 बजे ही महाकुंभ में 45 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार हो गई। मंगलवार को सुबह 8 बजे तक करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। संभावना है कि स्नानार्थियों की संख्या 50-55 करोड़ के ऊपर जा सकती है। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को दो-दो करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में स्नान किया था। माघ पूर्णिमा से पहले भी प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर पवित्र स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

एक ओर नित नए रिकार्ड बन रहे हैं वहीं दूसरी ओर महाकुम्भ प्रयागराज 2025 में भीड़ के चलते कई किलोमीटर तक का जाम लग गया है, एक तरफ जहां पुलिस प्रशासन प्रयागराज में सटे बॉर्डर से लोगों को वापस भेज रहा है तो वहीं, दूसरी ओर प्रयागराज के अंदर चौराहों पर गाड़ियां रेंगने को मज़बूर हैं। भारी भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ी बैठक भी की। इस बैठक में उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, साथ ही किसी भी तरह कि लापरवाही बर्दश्त नहीं की जाएगी। अब कल 12 फरवरी से माघ महिने का पांचवा माघ पूर्णिमा स्नान होगा। जिसको लेकर प्रयागराज में एक बार फिर से जन सैलाब उमड़ने लगा है, ऐसे में सीएम योगी ने बेहतर ट्रॉफिक व्यवस्था और क्राउड मैनेजमेंट को सख्त निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने 28 पीसीएस अधिकारियों की ड्यूटी महाकुंभ में लगाई हैं, जबकि पहले से ही दो बड़े अधिकारी मेला क्षेत्र की व्यवस्था संभाल रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियो संग बैठक कर महाकुंभ की व्यवस्थाओ की समीक्षा की। इसके साथ ही सोमवार देर रात उन्होंने प्रयागराज कौशाम्बी, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, अयोध्या, मीरजापुर, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, भदोही, रायबरेली, गोरखपुर, महोबा और लखनऊ आदि जनपदों में तैनात पुलिस अधिकारी, मंडलायुक्त और जिला प्रशासन के अधिकारियो को कड़े दिशा निर्देश जारी किए।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लगातार आगमन से अयोध्या और वाराणसी में भी काफी भीड़ देखने को मिल रही हैं। जिसकी वजह से सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं। यही हाल दो पहिया वाहनों का भी है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने अयोध्या और वाराणसी के सभी स्कूलों में 11 फरवरी से 14 फरवरी तक छुट्टी करने का फैसला किया हैं। इसके साथ ही शहर में सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर निगरानी भी की जा रही हैं।

पहला कॉलम

जयपुर पुलिस ने चलाया सर्च अभियान, लॉक लगे मकान से 7 पिस्टल और 280 कारतूस मिले

जयपुर । जयपुर पुलिस के मुहाना इलाके में सर्च के दौरान एक मकान में 7 पिस्तौल व 280 कारतूस बरामद किए है। हरियाणा-झुंझुनूं निवासी बदमाशों ने छात्र बताकर मकान किराए पर लिया था। मकान मालिक को विश्वास दिलाने के लिए किरायानामा एग्रीमेंट भी कराया था। मुहाना थाना पुलिस फरार बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि मुहाना के विष्णु विहार कॉलोनी में सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया गया। लॉक लगे मकान को सर्च करने पर 7 पिस्टल और 280 कारतूस मिले। मकान मालिक से संपर्क करने पर दिसंबर -2024 में भिवानी निवासी प्रशांत कुमार और झुंझुनूं के चिड़ावा निवासी अनिल कुमार जाट को किराए पर देना बताया। दोनों ने जयपुर में रहकर पढ़ाई और कार बाजार का काम करने की बात कहकर मकान किराए पर लिया था। विश्वास में लेने के लिए मकान मालिक के कहने पर अपने आई कार्ड और किरायानामा एग्रीमेंट भी करवाया। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया है कि दोनों बदमाश संगठित गिरोह के सदस्य हैं। दोनों बदमाश अवैध हथियार की सप्लाई करते हैं। हरियाणा और झुंझुनूं पुलिस से दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड मांगा गया है। फरार दोनों बदमाशों की धड़पकड़ के लिए पुलिस टीमें बनाकर दबिश दी जा रही है।

क्यों दुनियाभर में 11 फरवरी को मनाया जाता हैं विश्व बीमार दिवस

नई दिल्ली । दुनिया भर में हर साल 11 फरवरी को विश्व बीमार दिवस के रुप मनाया जाता है। इस मौके पर पूरी दुनिया में करोड़ों-अरबों लोग बीमार और पीड़ित लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं, इससे उन्हें जल्द से जल्द ठीक होने की आशा और प्रेरणा मिलती हैं। विश्व बीमार दिवस की थीम हर साल अलग-अलग होती है, लेकिन वे अक्सर स्वास्थ्य देखभाल और बीमारी के विशिष्ट पहलुओं पर केंद्रित होती है। दुनिया के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है जिसका उद्देश्य है बीमार लोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी देखभाल के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना। यह दिन बीमार लोगों की सेवा और देखभाल करने का एक महत्वपूर्ण मौका है। यह दिन हमें बीमार लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को याद दिलाता है और साथ-साथ उनके परिवारों और दोस्तों के प्रति भी अधिक सहानुभूति और समझ विकसित करने में भी मदद करता है। विश्व बीमार दिवस का इतिहास 1992 में शुरू होता है। जब पोप जॉन पॉल द्वितीय ने पीड़ितों की सहायता करने और उनकी देखभाल करने वालों के काम को सराहने के लिए 11 फरवरी को विश्व बीमार दिवस के रूप में घोषित किया था।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में परिवादी से जिरह पूरी, 24 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में मंगलवार परिवादी से बचाव पक्ष की जिरह पूरी हो गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में बचाव पक्ष ने परिवादी विजय मिश्र से जिरह पूरी कर ली है। कोर्ट ने शेष साक्ष्य की सुनवाई के लिए 24 फरवरी की तारीख नियत कर दी है। बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है।

सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी, ऐसा करने वाला जी-20 का पहला देश: पीएम मोदी

भारत 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा का लक्ष्य तय किया

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस यात्रा के दौरान मंगलवार को वर्चुअली 'इंडिया एनर्जी वीक 2025' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की सदी है और ऊर्जा क्षेत्र इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने, भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाने और हर साल 50 लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी है और यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है। गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता तीन गुना बढ़ी है, इससे भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला जी-20 देश बन गया है। इतनी ही नहीं भारत में 19 प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण हो रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत, किसानों की आय में वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। मोदी सरकार ने 'ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' बनाई है, जिससे हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज और गैस क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी निर्माण को बढ़ावा दे रहा है। सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2 गीगावॉट से बढ़कर 70 गीगावॉट हो गई है। उन्होंने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का भी जिक्र कर कहा कि इससे नए ग्रीन जॉब्स के मौके बन रहे हैं।

हरित ऊर्जा और निवेश के नए अवसर

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी निर्माण को लगातार बढ़ावा दे रहा है। सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता 2 गीगावॉट से बढ़कर 70 गीगावॉट हो चुकी है। उन्होंने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का भी जिक्र किया,

जिससे नए ग्रीन जॉब्स के मौके बन रहे हैं। इसके साथ ही क्लीन ऊर्जा का भारत का सपना साकार हो रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक निवेशकों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विकास और पर्यावरण दोनों को समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है और सतत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इंडिया एनर्जी वीक 2025 ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बदलावों और नई तकनीकों को अपनाने की दिशा में देश की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को सख्त आदेश, ईवीएम में कोई डेटा रिलोड न करें, न कोई डेटा डिलीट करें

सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने तक

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के वैरिफिकेशन के लिए पॉलिसी बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने चुनाव आयोग को सख्त निर्देश दिया है कि सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने तक ईवीएम में कोई डेटा रिलोड न करें, न कोई डेटा डिलीट किया जाए। चुनाव आयोग को अब सुप्रीम कोर्ट में ईवीएम की मैमोरी और माइक्रो कंट्रोलर डिलीट करने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देना होगी। सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका हरियाणा के पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल और 5 बार के विधायक लखन कुमार सिंगला ने लगाई थी। उन्होंने शीर्ष अदालत से ईवीएम की जांच के लिए मजबूत सिस्टम बनाने की मांग की थी। उन्होंने अपनी याचिका में इस बात की मांग कि चुनाव आयोग ईवीएम के 4 कम्पोनेंट्स कंट्रोल यूनिट, बैलट यूनिट, वीवी पेट और सिंबल लोडिंग यूनिट की ओरिजनल बर्न मैमोरी और माइक्रोकंट्रोलर की जांच के लिए पॉलिसी तैयार करना चाहिए। 13 दिसंबर 2024 को हुई सुनवाई में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने अपीलकर्ताओं से कहा कि याचिका यहां क्यों लाए हो, इस पुरानी बेंच के पास भेजना चाहिए। इसके पहले 26 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पुराने बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग वाली याचिका खारिज की थी और ईवीएम में गड़बड़ी की बात को निराधार बताया था।

केजरीवाल ने पंजाब सरकार को दिए तीन गुरु मंत्र...लोगों से जुड़ो, मुद्दों को पहचानों और डटकर लड़ो

आप के लिए पंजाब बचाना सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली ।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) का पूरा फोकस पंजाब पर आ गया है। दिल्ली की हार का असर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर ना पड़े इसके लिए पंजाब के सभी विधायकों को दिल्ली बुलाया गया था। यहां पर करीब 30 मिनट तक पार्टी संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने नेताओं को जरुरी टिप्स दिए। बैठक के दौरान उन्होंने नेताओं को तीन गुरुमंत्र दिए। उन्होंने विधायकों से कहा कि लोगों से जुड़ो, मुद्दों को पहचानों और डटकर लड़ो। बताया जा रहा हैं कि बैठक के बाद अब पार्टी के वर्किंग स्टाइल में भी बदलाव दिखाई देगा। पंजाब में सत्ता में आने से लेकर अभी तक प्रदेश में हुए हर चुनाव में आप नेता दिल्ली मॉडल पर वोट मांग रहे थे। लेकिन अब जब दिल्ली में ही पार्टी सत्ता से बाहर हो गई है, तब दिल्ली मॉडल के नाम पर वोट मांगना असंभव है। पंजाब सरकार और पार्टी के लिए चुनौती होगी कि आने वाले 2 सालों में दिल्ली की जगह पंजाब मॉडल बनाए। ताकि इसी पंजाब मॉडल के सहारे दिल्ली सहित अन्य राज्यों में वे अपनी सरकार बनाने की कोशिश कर सकें। सीनियर पत्रकार के अनुसार दिल्ली चुनाव हारने के बाद पंजाब सरकार के सामने कई चुनौतियां है। एक जिस दिल्ली मॉडल के सहारे सत्ता में आए थे, वह उनके हाथ से निकल गया है। अब उन्हें पंजाब को मॉडल पेश करना होगा। पंजाब में आप ने सत्ता में आने से पहले 5 गारंटियां दी थीं। इसमें सबसे अहम गारंटी थी 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को हर महीनें एक हजार रुपए देना, लेकिन यह गारंटी अभी तक ठंडे बस्ते में है। इसका खामियाजा पार्टी ने लोकसभा, निकाय चुनाव, पंचायत चुनाव व दिल्ली चुनाव में भी हुआ है। वहीं, अब पार्टी के लिए गारंटी को पूरा करना मजबूरी बन गई है। हालांकि इसे पूरा करने के संकेत दिल्ली में पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल से मीटिंग के बाद वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पांच से चार गारंटियां तीन साल में पूरी कर दी हैं। एक बची गारंटी को भी जल्द पूरा किया जाएगा।

किरोड़ी लाल मीना पर नाराज बीजेपी, नोटिस देकर दो दिन में मांगा जबाव

फोन टैपिंग का आरोप लगाकर भजनलाल सरकार की छवि धूमिल की

जयपुर ।

भाजपा की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौर ने राज्य मंत्री किरोड़ी लाल मीना को उनके फोन टैपिंग का आरोप लगाकर भजनलाल सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए कारण बताओ नोटिस दे दिया है। हालांकि, मीना ने इस बारे में अनभिज्ञता का दावा कर कहा कि वह पार्टी के अनुशासित सिपाही हैं और नोटिस मिलने के बाद निर्धारित समय के भीतर अपना जवाब भेज दूंगा। पार्टी की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि मीणा ने सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाकर भजनलाल सरकार की ''छवि धूमिल'' की है कि उनका फोन टैप हो रहा है। पार्टी ने इस बयान को अनुशासनहीनता मानकर मीणा को तीन दिन के भीतर जवाब देने को कह दिया है।

नोटिस में कहा गया है, ''आप (किरोडी लाल मीणा) भाजपा के सदस्य हैं और पार्टी टिकट पर सवाई माधोपुर क्षेत्र से विधायक बने हैं। आप (मीणा) राजस्थान सरकार में मंत्री भी हैं। हाल में आपने मंत्रिपरिषद से अपने इस्तीफे की खबर अखबार में छपने के लिए दी थी। आपने सार्वजनिक बयान देकर भाजपा सरकार पर फोन टैप कराने का आरोप भी लगाया, जो कि बिल्कुल असत्य है।'

मीणा को कारण बताओ नोटिस की जानकारी नहीं

उधर मंत्री मीणा ने कहा कि उन्हें कारण बताओ नोटिस की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे कारण बताओ नोटिस के बारे में जानकारी नहीं है। मैं पार्टी का अनुशासित सिपाही हूं। जैसे ही मुझे नोटिस मिलेगा, मैं तय समय सीमा के भीतर पार्टी नेतृत्व को अपना जवाब भेज दूंगा। लोकसभा चुनाव में राजस्थान में पार्टी के अपेक्षाकृत निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

किरोड़ी लाल मीना ने दिया था मंत्री पद से इस्तीफा

उन्होंने कहा था कि उन्होंने पिछले साल जून में ही मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा भेज दिया था, लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ। हालांकि, मीणा मंत्री के तौर पर विभागीय फाइलों का काम करते रहे, लेकिन वह मंत्रिमंडल की बैठकों में शामिल नहीं हुए।

महाकुंभ जाने वाली ट्रेन में चढ़ने में असमर्थ यात्रियों ने एसी डिब्बे में की तोडफ़ोड़

- समस्तीपुर जिले में भी ट्रेन पर हुआ था पथराव

भीड़ के सामने असहाय नजर आती है रेल पुलिस

मधुबनी।

बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुस्साए यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव किया। जिससे ट्रेन में बैठे यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया और वहां दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में महाकुंभ मेले में जा रहे यात्रियों ने स्वतंत्रता सेनानी सुपर फास्ट एक्सप्रेस की खिड़कियां तोड़ दीं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें दिख रहा है कि ट्रेन में नहीं चढ़ पाने से निराश यात्री हुड़दंग मचाते हुए ट्रेन पर पत्थर फेंक रहे हैं और एसी कोच की खिड़कियां तोड़ते नजर आ रहे हैं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया। बिहार के जयनगर से प्रयागराज होते हुए नई दिल्ली जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी सुपर फास्ट एक्सप्रेस जैसे ही मधुबनी रेलवे स्टेशन पर पहुंची, प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ खड़ी नजर आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेन में पहले से ही इतनी भीड़ थी कि दरवाजे खोलना असंभव था। ट्रेन का इंतजार कर रहे और ट्रेन के अंदर बैठे कई यात्री महाकुंभ मेले के लिए प्रयागराज जा रहे थे। वीडियो में दो महिलाएं ट्रेन के एसी कोच में बैठी नजर आ रही हैं। इसी दौरान बाहर खड़े एक यात्री ने खिड़की का शीशा तोड़ दिया। इस दौरान खिड़की के पास बैठी दोनों महिलाएं डर के मारे चीख रही हैं। एक अन्य वीडियो में ट्रेन की टूटी हुई खिड़कियां दिखाई गई हैं। ट्रेन में सवार यात्री पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर रहे थे। यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया है कि जब यह सब हुआ तब रेलवे स्टेशन पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। घटना के बाद यह ट्रेन मधुबनी स्टेशन पर एक घंटे तक रुकी रही। बाद में इसे बिना किसी मरम्मत के आगे भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाद में रेलवे पुलिस ने हंगामा कर रहे कई यात्रियों को हिरासत में लिया। लेकिन भीड़ इतनी थी कि भीड़ के सामने रेल पुलिस असहाय नजर आ रही थी।

- समस्तीपुर जिले में भी ट्रेन पर हुआ था पथराव

इससे पहले बिहार के समस्तीपुर जिले में गुरुवार रात स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। ट्रेन पर जब हमला हुआ, तब वह मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर मार्ग पर जयनगर से दिल्ली जा रही थी।

इससे यात्रियों में दहशत फैल गई और ट्रेन को मामूली क्षति पहुंची। कुछ यात्री घायल हो गए, जिनका समस्तीपुर के एक अस्पताल में इलाज किया गया, जबकि पेंट्री कार और उसके बगल के कोचों की खिड़कियां टूट गईं। स्लीपर कोचों पर भी पत्थर फेंके गए। समस्तीपुर रेलवे पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि पत्थर क्यों फेंके गए।

मॉनिटरिंग प्रणाली से शिकायतों का शीघ्र निपटारा होगा : डीएम

लखनऊ। डीएम विशाख जी एवं नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने मंगलवार को लखनऊ स्वच्छता अभियान के लालबाग स्थित कंट्रोल कमांड सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर कचरा संग्रहण की गाड़ियों की लाइव मॉनिटरिंग, ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम, कंट्रोल कमांड सेंटर में प्राप्त शिकायतों और उनके निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। लखनऊ स्वच्छता अभियान के परियोजना प्रमुख अनुपम मिश्रा ने डीएम को प्रत्येक कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। डीएम ने पूरी ऑनलाइन मॉनिटरिंग व्यवस्था से संतुष्टि व्यक्त करते हुए कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किए। डीएम ने इस प्रणाली के कार्यान्वयन को सकारात्मक बताते हुए लखनऊ नगर निगम को और अधिक सुधारात्मक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के साथ लखनऊ नगर निगम एवं लखनऊ स्वच्छता अभियान के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लिव-इन पार्टनर ने रुपये मांगने पर युवती को पीटा, वीडियो वायरल करने की धमकी

लखनऊ। गोमतीनगर में रुपये मांगने पर लिव-इन पार्टनर ने बहाने से प्रेमिका को अपनी कार में बैठाया। पलासियो माल के पास ले गया। वहां लात-घूसों से जमकर पीटा। विरोध पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इसके बाद विराट चौराहे के पास फेंककर फरार हो गया। पीड़िता ने देर रात थाने पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता मूल रूप से गोरखपुर की रहने वाली है। उन्होंने बताया कि जुलाई 2024 से वह मित्र आदर्श यादव के साथ चिनहट की गोविंद विहार कालोनी में किराए के मकान में रह रही हैं। कभी कभार आदर्श कहीं और भी रहने के लिए चला जाता था। आदर्श से खर्च के लिए कुछ रुपये लेने थे। सुबह उससे रुपये भी मांगे थे। उसने देर में देने की बात कही थी। रात करीब 10 बजे आदर्श ने फोन कर विनीत खंड मेगा मार्ट के पास मिलने के लिए बुलाया था। वहां पहुंची तो उसने बहाने से कार में बैठा लिया और पलासियो माल की तरफ बढ़ा। रास्ते में आदर्श गाली गलौज करने लगा। विरोध पर उसने पीटना शुरू कर दिया। आदर्श ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। इस लिए शांत हो गई। आदर्श माल के पीछे लेकर पहुंचा। वहां उसने रुपये देने से मना कर दिया और लात घूसों से जमकर पीटा। चीखने की कोशिश की तो उसने मुंह दबा दिया। फिर धमकाते हुए कार में बैठाया और विराट चौराहे के पास फेंककर भाग निकला। आदर्श निजी कंपनी में नौकरी करता है। इंस्पेक्टर गोमतीनगर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपित आदर्श के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि एक साल पहले आदर्श से सोशल मीडिया फेसबुक के जरिए दोस्ती हुई थी। इसके बाद उसने प्रेम जाल में फंसा लिया। आदर्श किराए के मकान पर लेकर रहने लगा। उसने शोषण भी किया। विरोध पर वीडियो वायरल करने की धमकी देता था।

बहन को कमरे में बंद कर युवक ने फांसी लगा ली

लखनऊ,। खदरा के शिवनगर में मंगलवार को बहन को कमरे में बंद कर इलेक्ट्रीशियन गौरव तिवारी (24) ने घर के आंगन में फांसी लगा ली। आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। खदरा शिव नगर निवासी अतुल तिवारी के मुताबिक बेटे गौरव ने मंगलवार सुबह करीब 10 बजे नहाने के पानी गर्म किया। इसके बाद बहाने से अपनी बहन दिशा को कमरे में भेज दिया। उसके कमरे में जाते ही गौरव ने बाहर से कमरे की कुंडी लगा दी। कुछ देर बाद दिशा ने दरवाजा खटखटाया पर गौरव ने दरवाजा नहीं खोला। दिशा ने कमरे के रोशनदान से झांका तो गौरव आंगन से जाल के फंदे के सहारे लटका हुआ था। घर वाले आनन- फानन में उसे फंदे से उतारकर बलरामपुर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने गौरव को मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर मदेयगंज के मुताबिक परिवार वालों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है।

बीमारी से परेशान मजदूर ने फांसी लगाई

लखनऊ। गोसाईगंज के रहमतनगर में बीमारी से परेशान मजदूर रामशंकर (32) ने मंगलवार को घर में फांसी लगा ली। रहमतनगर निवासी रामशंकर (32) मुंबई में मजदूरी करता था। काफी समय से वह बीमार चल रहा था। बीमारी के कारण एक माह पहले वह मुंबई से लौटकर घर आ गया था। पत्नी पुष्पा बीते शुक्रवार को अपनी चारों बेटियों को लेकर मायके गई थी। तब से वह यहीं थी। मंलवार को घर पर रामशंकर व उसकी मां थी। सुबह काफी देर तक रामशंकर कमरे से बाहर नहीं निकला तो मां जगाने गई तो वह पंखे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका हुआ था।

सूडा निदेशक के लिखे गीतों का हुआ लोकार्पण

लखनऊ,। महाकुंभ के पावन अवसर पर जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज ने अपने आश्रम में तीन भक्ति गीतों का लोकार्पण किया। इसकी रचना नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) के निदेशक डा. अनिल कुमार पाठक ने की है। निर्देशन डा. दुर्गेश पाठक द्वारा किया गया है। इसे कैलाश खेर, अनूप जलोटा और शान के स्वर से सजाया गया है। तीर्थराज अति पावन। गंगा सहचरि कालिंदी संग होता अनुपम संगम। प्रकटित ब्रह्म कमण्डल से तू, ब्रह्म स्वरूपणि धाता। विष्णु चरण की शोभामणि हो मुक्तिदायिनी माता और तीसरा बारंबार प्रणाम मैया, बारंबार प्रणाम द्य पिता सूर्य और छाया माता शनि, यम तेरे भाई। गीत है।

रिटायर आईपीएस अजय राज शर्मा के निधन पर शोक सभा

-10 फरवरी को हुई मौत, दिवंगत हुए पूर्व आईपीएस शीतला प्रसाद श्रीवास्तव को भी श्रद्धांजलि दी गई

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय में मंगलवार को रिटायर आईपीएस अजय राज शर्मा के निधन पर शोक सभा की गई। अजय राज शर्मा की 10 फरवरी को मौत हो गई थी। रिटायर डीजी शीतला प्रसाद श्रीवास्तव को भी श्रद्धांजलि दी गई। उनकी मृत्यु 20 जनवरी को हुई थी। डीजीपी प्रशांत कुमार ने दोनों आईपीएस अफसरों के योगदान को सराहा। अजय राज शर्मा वर्ष 1966 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। वह दिल्ली के पुलिस कमिश्नर रहने के अलावा यूपी में कई बड़े जिलों में कप्तान रहे। वह केन्द्रीय प्रतिनियुक्त पर रहते हुए ही 31 दिसम्बर, 2024 को रिटायर हो गए थे। उन्हें राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका था। शीतला प्रसाद श्रीवास्तव वर्ष 1976 बैच के आईपीएस अफसर थे। वह वर्ष 1987 और वर्ष 2002 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए थे। 31 दिसम्बर, 2010 को वह रिटायर हो गए थे। 20 जनवरी को उनकी मृत्यु हो गई थी। शीतला प्रसाद को भी राष्ट्रपति का पुलिस पदक मिला था।

हाउस टैक्स समय पर जमा करने की अपील

लखनऊ। नगर निगम जोन छह में हाउस टैक्स जमा करने के लिए जागरूकता रैली निकाली गई। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में निकाली गई रैली में शामिल नगर निगम के कर्मचारियों ने क्षेत्रीय निवासियों को हाउस टैक्स के महत्व के बारे में बताया। उन्हें समय पर टैक्स जमा करने के लिए प्रेरित किया। जोन के विभिन्न इलाकों में जाकर लोगों से हाउस टैक्स समय पर जमा करने के फायदे बताए। बताया कि टैक्स की राशि का उपयोग नगर निगम शहर के विकास और सुविधाओं के लिए करता है। इससे शहर के नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलती हैं।

डॉ. आरके गर्ग रिटायर, डॉ. राजेश को कमान

लखनऊ। दुनिया के टॉप वैज्ञानिकों में बीते सात बार से शुमार केजीएमयू न्यूरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरके गर्ग मंगलवार को रिटायर हो गए हैं। डॉ. गर्ग 1989 से केजीएमयू न्यूरोलॉजी विभाग में शिक्षक हैं। अब तक उनके 600 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. गर्ग ने विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. राजेश वर्मा को चार्ज सौंपा। इस मौके पर विभाग के प्रेक्षागृह में विदाई समारोह हुआ। डॉ. गर्ग ने कहा कि केजीएमयू में काम करने का अच्छा अनुभव रहा। मरीजों की सेवा की। नए डॉक्टरों को तैयार किया। नए विभाग के अध्यक्ष के रूप में डॉ. राजेश वर्मा ने कमान संभाली। डॉ. राजेश वर्मा ने कहा कि विभाग की तरक्की की दिशा में प्रयास किया जाएगा। ओपीडी व भर्ती मरीजों की सुविधाओं में इजाफा किया जाएगा।

जीवन भर वीवीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले महाकुंभ को लेकर कर रहे दुष्प्रचार : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की अंत्योदय की सोच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रही है।

उन्होंने गरीबी उन्मूलन के खोखले नारों पर विपक्ष को घेरा, साथ ही सीएम योगी ने महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने वालों पर भी करारा प्रहार किया। सीएम योगी ने कहा कि जीवन भर वीवीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले लोग आज महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार में जुटे हैं।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

पंडित उपाध्याय के आदर्शों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का कल्याण और विकास पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार पंडित उपाध्याय के सपनों को पूरा कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का यह मत था कि किसी भी देश की प्रगति का मापदंड ऊंचे पायदान पर खड़े व्यक्ति की समृद्धि से नहीं बल्कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर से किया जाना चाहिए। उनकी इसी सोच को केंद्र में रखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा दिया।

सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने गरीबी हटाने के बड़े-बड़े नारे दिए, लेकिन गरीबों की संख्या लगातार बढ़ती रही। वहीं, मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में गरीबों को सशक्त बनाने का कार्य किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालय निर्माण, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की चर्चा की।

उन्होंने बताया कि अब तक 4 करोड़ गरीबों को मकान मिल चुके हैं, 12 करोड़ शौचालय बने हैं, 10 करोड़ लोगों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। ये सभी योजनाएं अंत्योदय के मंत्र को साकार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष द्वारा महाकुंभ को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 29 दिन में 45 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई है, जो एक ऐतिहासिक घटना है। भारत और चीन के बाद दुनिया के किसी देश की आबादी 45 करोड़ नहीं है, एक अस्थाई शहर में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आकर डुबकी लगाए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसे वीआईपी स्नान से जोड़कर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि महाकुंभ समरसता और आस्था का संगम है, जहां जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के भेदभाव को खत्म करके सभी श्रद्धालु एक साथ जुड़ते हैं। लेकिन ये नकारात्मकता फैलाने वाले कौन लोग हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने जीवन भर सरकार से वीवीआईपी ट्रीटमेंट लिया है और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए एक रास्ता खोलने का प्रयास किया था। ये वही लोग हैं जो नकारात्मकता पैदा करके भारत और सनातन के विरोध में सदैव खड़े रहते हैं और दुष्प्रचार करने में मशगूल रहते हैं।

सीएम योगी ने विकास कार्यों में बाधा पहुंचाने वाले लोगों पर भी तंज कसते हुए कहा कि जब भी कोई नई योजना शुरू होती है, तो कुछ लोगों को केवल कमियां निकालने की आदत होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 'जब पाइपलाइन बिछाई जाती है, तो सड़क खुदाई के कारण खराब हो जाती हैं, लेकिन जब वह कार्य पूरा होता है, तो लोगों को सुविधा मिलती है।'

उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब हम 4 करोड़ लोगों को आवास देते हैं तो वे कहते हैं कि अभी बहुत लोग बाकी हैं। उनको बताना चाहता हूं कि 3 करोड़ आवास और स्वीकृत किए जा चुके हैं। जो लोग पहले केवल वीआईपी सुविधाएं भोगते थे, वही आज आम जनता को मिल रही सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारें सिर्फ गरीबी हटाने के नारे देती रहीं, लेकिन हकीकत में गरीबों की संख्या लगातार बढ़ती गई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से गरीबी उन्मूलन का वास्तविक कार्य किया।

सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय की बात करने वाले ज्योतिपुंज थे। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के कल्याण को राजनीतिक चिंतन का एजेंडा बनाया था। उनके इस चिंतन का आज असर दिखता है। आज एकात्म मानववाद की ताकत दुनिया देख रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने समाज को साथ

लेकर चलने का विचार दिया। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति सिर्फ पास-पास होता है लेकिन साथ नहीं होता, तो अकेलापन और डिप्रेशन जन्म लेता है। यही स्थिति समाज के साथ भी होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को अपनाकर इसी सोच को धरातल पर उतारा है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे और सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए संकल्पित है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार भाजपा का संस्कार : सहजानंद राय

गोरखपुर, (एजेंसी)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि को भाजपा नेताओं ने समर्पण दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर पार्टी के नेताओं ने संगठन के आर्थिक सहयोग के लिए राशि का समर्पण भी किया।

इसी कड़ी में क्षेत्रीय कार्यालय पर भाजपा गोरखपुर क्षेत्र के अध्यक्ष सहजानंद राय की अध्यक्षता में पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर महामानव को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अपने संबोधन में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने पं. दीनदयाल उपाध्याय को युग पुरुष बताया। कहा कि देश की आजादी के बाद पं. दीनदयाल उपाध्याय की देखरेख में भारतीयता पर आधारित पार्टी भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। पंडित जी ने देश व समाज के लिए एक नए विचार एकात्म मानववाद और

अंत्योदय का प्रतिपादन किया, जो भाजपा के संस्कार में है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के जरिये पूरा कर रही है। इसी तरह भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय को अपना आदर्श मानते हुए संगठन और देश के हित में समर्पण भाव से कार्य में जुटे हैं।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्य समिति के सदस्य राहुल श्रीवास्तव ने किया। सिद्धार्थ शंकर पाण्डेय, पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हरिनाथ भाई, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी डॉ. बच्चा पाण्डेय नवीन, सह मीडिया प्रभारी राहुल तिवारी, शिव सागर तिवारी, अभिनव मिश्रा निहाल, राकेश नाथ त्रिपाठी चौरीचौरा, वरुण चौरसिया, मधुसूदन पांडेय, बृज किशोर राय, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा खोराबार सुनीता पासवान, दिनेश प्रताप सिंह, राजेश पाल, गजेंद्र सिंह, परशुराम शुक्ला, राजीव ऋषि तिवारी, अखिलानंद त्रिपाठी, सुधाकर यादव, संदीप सिंह, पवन चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

सपा और कांग्रेस महाकुंभ को लेकर कर रही अनर्गल बयानबाजी : रवींद्र जायसवाल

लखनऊ। स्टांप तथा न्यायालय शुल्क पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने कहा है कि सनातन को लेकर विपक्ष की सोच सही नहीं है। इसीलिए सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महाकुंभ को लेकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज आने वाले श्रद्धालु काशी और अयोध्या में भी जा रहे हैं। इसीलिए भीड़ बड़ी है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा ऐसी व्यवस्था की गई है जिससे किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। इसी से विपक्ष परेशान है और बेमतलब की बातें कर रहा है। रवींद्र जायसवाल मंगलवार को लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा है कि कुंभ में अब तक 46 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि 26 फरवरी तक यह संख्या 60 करोड़ के आसपास पहुंच जाएगी। सनातन परंपरा को मानने वाले 144 साल बाद पड़े महाकुंभ में अमृत स्नान करने आ रहे हैं। विपक्ष के लोग इस भीड़ को देखकर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग काशी-अयोध्या का विरोध कर रहे थे। अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलवा रहे थे, वे सनातानियों का उत्साह देखकर हताशा व निराशा में हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी गलियों का शहर है। यहां मकान तोड़कर या किसी को बर्बाद कर सड़कों का चौड़ीकरण नहीं किया जा सकता है। काशी विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए लाइन तो जरूर लंबी लग रही है, लेकिन किसी को समस्या नहीं हो रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का काशी को लेकर दिया गया बयान पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि सवान के सोमवार को जहां चार से पांच लाख श्रद्धालु दर्शन करने आते रहे हैं, वहीं इस समय आठ से दस लाख आ रहे हैं।

अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? प्रयागराज में जाम के बीच अधिकारियों से नाराज हुए सीएम योगी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में ट्रैफिक जाम को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कथित तौर पर अधिकारियों से नाराज हो गए। समीक्षा बैठक के दौरान वह एडीजी रैंक के दो अधिकारियों पर नाराज हो गए और उन्होंने प्रयागराज के एडीजी भानु भास्कर से कहा कि आपके ऊपर इतनी बड़ी जिम्मेदारी है और आप अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी न कि अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर डालनी होगी।

मुख्यमंत्री ने एडीजी से पूछा कि जब इतना ट्रैफिक था, आपका काम बंद होने वाला है तो आप और आपकी टीम क्या कर रही थी? हर कोई जानता है कि छुट्टियों पर भीड़ होती है, तो आपने

शनिवार और रविवार को क्या व्यवस्था की है? यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब माघ पूर्णिमा से पहले प्रयागराज में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम देखा गया था। इस बीच, उत्तर प्रदेश ने कहा कि उसने धार्मिक समागम के लिए 450 मिलियन श्रद्धालुओं के प्रयागराज पहुंचने का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

आंकड़ों के अनुसार, महाकुंभ के समापन से 15 दिन पहले-मंगलवार की सुबह, महाकुंभ मेले में आने वाले त्रिवेणी संगम के पवित्र संगम पर श्रद्धा और विश्वास से भरे संतों, भक्तों, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों की कुल संख्या 450 मिलियन से अधिक हो गई, जो कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा निर्धारित लक्ष्य है। मंगलवार सुबह 8 बजे तक करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई, जिसके साथ महाकुंभ में स्नान करने वालों की कुल संख्या 45 करोड़ के पार पहुंच गई। अभी दो महत्वपूर्ण स्नान पर्व बाकी हैं, ऐसे में स्नान करने वालों की संख्या 50 करोड़ से ऊपर जाने की उम्मीद है। प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के उत्साह और उमंग में कोई कमी नहीं आई है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए केंद्र को 33 दिन का समय दिया

महाकुंभ नगर । ज्योतिष पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने देश में गो हत्या पर प्रतिबंध लगाने और गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने पर निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार को 33 दिनों का समय दिया। यहां शंकराचार्य शिविर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए जगद्गुरु शंकराचार्य ने कहा, 'शास्त्रों में उल्लेख है कि गाय के शरीर में 33 कोटि देवी देवताओं का वास है। हम पिछले डेढ़ साल से गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए आंदोलन चला रहे हैं। अब हमने निर्णय किया है कि माघी पूर्णिमा के अगले दिन (बृहस्पतिवार) से हम 33 दिनों की यात्रा निकालेंगे।' उन्होंने कहा, 'यह 33 दिन की यात्रा 17 मार्च को दिल्ली जाकर पूर्ण होगी। केंद्र सरकार के पास निर्णय करने के लिए 33 दिनों का समय है। यदि वह इन 33 दिनों में कोई निर्णय नहीं करती तो हम 17 मार्च को शाम पांच बजे के बाद कोई कड़ा निर्णय करेंगे।' स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, 'हमारी सरकार से मांग है कि गाय को पशु की श्रेणी से हटाकर राष्ट्र माता घोषित किया जाए और गोहत्या को अपराध माना जाए। प्रदेश सरकार स्कूलों के पाठ्यक्रम में गाय को शामिल करने जा रही है। लेकिन वहां भी अगर गाय को पशु बताया जाता है तो इसका क्या लाभ।

अदाणी समूह और इस्कॉन की निस्वार्थ सेवा, ट्रैफिक में फंसे श्रद्धालुओं और सुरक्षाबलों में रातभर वितरित किया महाप्रसाद

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के दौरान जहां लाखों श्रद्धालु संगम स्नान और पूजा-अर्चना में लीन हैं, वहीं अदाणी समूह और इस्कॉन के समर्पित स्वयंसेवक सेवा और भक्ति की मिसाल पेश कर रहे हैं। सोमवार की रात ट्रैफिक जाम में फंसे हजारों तीर्थयात्रियों, प्रशासनिक और सुरक्षाकर्मियों को महाप्रसाद वितरित किया गया, जिससे उन्हें राहत मिली। स्वयंसेवकों ने न केवल यात्रियों की भूख मिटाई, बल्कि उन पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को भी भोजन प्रदान किया, जो महाकुंभ की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए तैनात हैं। इस निस्वार्थ सेवा कार्य की प्रशासन ने सराहना की और इसे महाकुंभ की सच्ची आध्यात्मिकता और परोपकार की भावना करार दिया। महाकुंभ में लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से संगम स्नान और आध्यात्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए आ रहे हैं। इतनी बड़ी भीड़ के कारण कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों को भोजन तक नसीब नहीं हो पा रहा है। इस समस्या को देखते हुए अदाणी समूह और इस्कॉन के स्वयंसेवकों ने रातभर सेवा अभियान चलाकर जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का कार्य किया। अदाणी समूह और इस्कॉन के स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में भोजन पैकेट तैयार किए और महाकुंभ क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में जाकर श्रद्धालुओं, प्रशासनिक अधिकारियों और सुरक्षा बलों को वितरित किए। इन पैकेट्स में सात्विक भोजन और फल शामिल थे, जिससे लोग उपवास और आध्यात्मिक नियमों का पालन करते हुए इसे ग्रहण कर सकें।

महाकुंभ- 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखी 'स्वच्छ सुजल गांव' की तस्वीर

लखनऊ/महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। प्रयागराज के महाकुंभ मेले में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा बसाए गए 'स्वच्छ सुजल गांव' को अब तक 11 लाख से अधिक आगंतुकों ने देखा है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार में आए बदलाव के बाद उत्तर प्रदेश के समृद्ध गांवों की कहानी देखी।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले आगंतुकों को 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती भी हो रही है। बयान के अनुसार गांव में आगंतुकों का निरंतर आना जारी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। इस गांव में 19 जनवरी, 24 जनवरी, 26 जनवरी और नौ फरवरी को सर्वाधिक पर्यटक-श्रद्धालु आए। इन चार दिनों में प्रतिदिन यह संख्या एक लाख से अधिक रही। प्रमुख स्नान पर्वों पर इस गांव में प्रवेश बंद रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हो रहे हैं। वे यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार कर रहे हैं। देश-दुनिया से आए श्रद्धालु 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बसे गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, ग्राम पंचायत, सौर ऊर्जा के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देख रहे हैं। राज्य सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति एवं नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया है। इसका दीदार 26 फरवरी तक किया जा सकेगा। 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' विषय पर यह गांव 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में बसा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है।

बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी। ललितपुर एवं महोबा के कई गांवों की महिलाओं के सिर के बाल पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे। वे भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को भी बयां कर रही हैं। यहां हर जानकारी पांच भाषा (हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू व मराठी) में मिल रही है। महाकुम्भ में 'जल मंदिर' भी बनाया गया है। 'जल मंदिर' में प्रदर्शित झांकी में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आ रही है। इसके जरिए संदेश दिया जा रहा है कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हो रही है। इस आरती में जल जीवन मिशन की गाथा, जल संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा है। 'स्वच्छ सुजल गांव' में आने वाले अतिथियों

का नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग सम्मान भी कर रहा है। आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जलप्रसाद' भी दिया जा रहा है। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी है।

शारदा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ ग्रेटर नोएडा

ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के टीचिंग लर्निंग सेंटर की तरफ से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य अगली पीढ़ी की शिक्षा के लिए उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने वाले संकाय को सशक्त बनाना है।संगोष्ठी के मुख्य अतिथि नॉर्थ कैप विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर डॉ प्रेमव्रत ने कहा कि नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क एनसीआरएफ सिर्फ एक नीति से कहीं अधिक है।यह शिक्षा में गेम-चेंजर है, शिक्षाविदों और वास्तविक दुनिया के कौशल के बीच अंतर को पाटता है और प्रत्येक शिक्षार्थी को बढ़ने की अनुमति देता है। पूर्व शिक्षा को पहचानने और निर्बाध क्रेडिट हस्तांतरण की सुविधा से छात्रों को किसी भी स्तर पर शिक्षा प्रणाली में फिर से प्रवेश करने की अनुमति मिलती है। जबकि ब्लॉकचेन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई जैसी तकनीक सीखने को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाएगी, वास्तविक सफलता के लिए शिक्षा को अधिक समावेशी और भविष्य के लिए तैयार करने के लिए शिक्षकों, व्यवसायों और नीति निर्माताओं के बीच सहयोग की आवश्यकता होगी।विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा न कहा कि पारंपरिक परीक्षणों से परे, एआई-संचालित संसाधन महत्वपूर्ण सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ावा देते हैं।हालांकि एआई शिक्षा में सुधार करता है, लेकिन यह मानवीय तत्व की जगह नहीं ले सकता। शिक्षक सीखने के पीछे प्रेरक शक्ति बने हुए हैं, छात्रों को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करके सफल होने में मदद करते हैं। इसका रहस्य एक अधिक समावेशी और शक्तिशाली शैक्षिक प्रक्रिया तैयार करने के लिए एआई और मानव ज्ञान को संयोजित करना है।इस दौरान डॉ विश्वविद्यालय के प्रो वाईस चांसलर डॉ परमानंद, डॉ मोहम्मद मियां ,डॉ एएन राय,डॉ एसपी सिंह, डॉ एसके सिंह,डॉ सुधाकर रेड्डी समेत डीन और एचओडी मौजूद रहे।

सलारपुर में पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन?

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ ग्रेटर नोएडा।

'भारतीय संस्कृति की मूलभूत विशेषता है कि यह जीवन को एक एकीकृत रूप में देखती है ।ग्राम सलारपुर पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम के आयोजन, । जारचा मंडल अध्यक्ष धीर राणा ने पुण्यतिथि समर्पण दिवस पर कहा कि पंडित दीनदयालउपाध्याय जी ने अंत्योदय एकात्म मानवतावाद पर अपने विचार दिये आज उन विचारों के साथ भाजपा की सरकारें अंत्योदय के अन्तर्गत अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक विकास कार्य कर लाभकारी योजनाओं को चलाकर जन जन तक के अंतिम व्यक्ति तक लाभ देने का काम कर रही है और उन्होंने बताया कार्यकर्ता समर्पण भाव से भाजपा के लिये अपनी एक इच्छानुसार स्वेच्छा से धन राशि डोनेट कर रहे डोनेट धनराशि को प्रदेश कोष में जमा किया जाएगा ।इस अवसर पर मूलचंद प्रधान सलारपुर व सत्येंद्र शर्मा राजेश, अनिल , बिपिन,योगेश ,गजेंद्र सिंह अजब सिंह व समस्त ग्रामवासी मेरे बुजुर्ग महिला शक्ति युवा साथी उपस्थित रहे।

लघु उद्योग भारती, ग्रेटर नोएडा चैप्टर द्वारा अकाउंटेंसी सॉफ्टवेयर टैली और ग्रोथ के लिए बिजनेस आइडिया पर आज सत्र का आयोजन किया गया

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ ग्रेटर नोएडा।

लघु उद्योग भारती, ग्रेटर नोएडा चैप्टर द्वारा अकाउंटेंसी सॉफ्टवेयर टैली और ग्रोथ के लिए बिजनेस आइडिया पर आज सत्र का आयोजन किया गया। एल बी सिंह, के पी सिंह, अमित, अनुज, सुमन और कई एलयूबी सदस्यों ने सत्र में भाग लिया ।कई विकल्प उपलब्ध हैं लेकिन टैली उपयोगकर्ताओं के लिए अभी भी अज्ञात हैं, । अजय द्वारा समझाया गया। गोपाल और सुमित ने व्यवसाय को अगले स्तर पर ले जाने के विकल्प साझा किये ।अनिल डीसी डीआईसी ने नियमित ज्ञान सत्र और एसोसिएशन के सदस्यों की सहायता के लिए हमारे चैप्टर के प्रयासों की सराहना की। अनिल ने यह भी पुष्टि की कि 10 फ़ैक्टरियों को इस महीने डीजी सेट सब्सिडी से लाभ होगा, जबकि अन्य जिन्होंने 31 मार्च 25 से पहले आवेदन किया था उन्हें लाभ होगा ।लघु उद्योग भारती ग्रेटर नोएडा चैप्टर के अध्यक्ष संजय बत्रा बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों की संख्या में वृद्धि देखकर खुश थे। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही ओएनडीसी और प्रदूषण पर सेमिनार की योजना बना रहे हैं।

बेदखली नोटिस

यह सूचित किया जाता है कि रघुवीर पुत्र स्व. गांगू, निवासी- ग्राम चांदपुर, थाना रबूपुरा, जिला गौतमबुद्धनगर ने अपने पुत्र राजू सिंह को दिनांक 11.02.2025 से अपनी चल एवं अचल संपत्ति से पूर्ण रूप से बेदखल कर दिया है। राजू सिंह द्वारा निरंतर शराब पीकर अनुचित व्यवहार, गाली-गलौज, मारपीट, एवं पारिवारिक शांति भंग करने के कारण यह निर्णय लिया गया है। रघुवीर एवं उनके परिवार का राजू सिंह से कोई संबंध नहीं रहेगा। भविष्य में राजू सिंह को उनकी पैतृक संपत्ति, घर या किसी भी प्रकार की संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति, संस्था या बैंक राजू सिंह के नाम पर किसी भी प्रकार की वित्तीय लेन-देन करने से पहले स्वयं जांच-पड़ताल कर लें, अन्यथा वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। यदि कोई व्यक्ति इस नोटिस की अवहेलना कर राजू सिंह के साथ किसी प्रकार की संपत्ति संबंधी लेन-देन करता है, तो उसके लिए रघुवीर या उनके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

ग्रेटर नोएडा में 12 से 15 फरवरी 2025; इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ ग्रेटर नोएडा।

के इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट में किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन में आधुनिक उन्नति को दर्शाते हुए भारत की सदियों पुरानी परंपरा का सम्मान करने के लिए उद्योग जगत के लीडर्स, अंतरराष्ट्रीय खरीदार, कारीगर और नीति निर्माताओं को आमंत्रित गया है।भारत टेक्स 2025- - हस्तशिल्प, प्रतिष्ठित वैश्विक टेक्सटाइल कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है, जिसका आयोजन भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के समर्थन से भारत टेक्स ट्रेड फेडरेशन बीटीटीएफ करती है। इस मेगा इवेंट का आयोजन दो प्रमुख स्थलों पर किया जाएगा- इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा 12 से 15 फरवरी, 2025 में हस्तशिल्प, गार्मेंट मशीनरी और डाइ एवं केमिकल पर फोकस किया जाएगा; वहीं भारत मंडपम, नई दिल्ली 14 से 17 फरवरी, 2025 में संपूर्ण टेक्सटाइल वैल्यू चेन का प्रदर्शन किया जाएगा।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद ईपीसीएच समेत 12 वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदों के एक संघ द्वारा आयोजित और भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा समर्थित, भारत टेक्स परंपरा और टेक्नोलॉजी का एक बेजोड़ संगम होने का वादा करता है, यहां नीति निर्माताओं और ग्लोबल सीईओ के साथ-साथ, 5000 से अधिक प्रदर्शकों, 110 से अधिक देशों के 6000 से अधिक खरीदारों, और 1,20,000 से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। भारत टेक्स 2025 का लक्ष्य ग्लोबल टेक्सटाइल इकोसिस्टम को सक्रिय करना, व्यवसायों को साझेदार बनाने के लिए अनूठा अवसर प्रदान करना, नए उत्पादों का पता लगाना, और नए ट्रेंड एवं टेक्नोलॉजी पर सभी नई सूचना से अवगत रहना है।ईपीसीएच अध्यक्ष दिलीप बैद ने कहा, 'यह आयोजन हमारी समृद्ध वस्त्र विरासत और अत्याधुनिक तकनीक का एक बेजोड़ मेल है। यह न केवल हमारे उद्योग को, बल्कि दीर्घकालिक, नवाचार और वैश्विक व्यापार के विस्तार के लिए हमारी प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है। इस कार्यक्रम में करीब 600 प्रदर्शक भाग लेंगे, जिनमें स्थापित निर्यातक, युवा डिजाइनर, स्टार्टअप और कारीगर शामिल हैं; यहां 15 कैटेगरी प्रदर्शित की जाएंगी जिनमें, उपहार एवं सजावट की वस्तुएं, फर्नीचर एवं एक्सेसरीज, होम फर्निशिंग, हाउसवेयर, फैशन जूलरी एवं एक्सेसरीज, लैंप्स एवं लाइटिंग, टेक्सटाइल मशीनरी, बाथरूम एक्सेसरीज, गार्डेन एवं आउटडोर डेकोर, चमड़े के बैग एवं केस, मोमबत्तियां, अगरबत्तियां, जीआई उत्पाद, पारंपरिक खिलौने, स्पा एवं वेलनेस उत्पाद और कारपेट एवं रग्स, शामिल हैं।' री एंड मार्ट इन ग्रीस

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में चीफ मेंटर और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने इस आयोजन पर कहा, ÷हस्तशिल्प और वस्त्र एक दूसरे के पूरक हैं, हैं, जो की सर्वश्रेष्ठ खूबियों एक दूसरे को सामने लाते हैं; चाहे वो फर्नीचर एवं अपहोल्स्ट्री वह प्रोसेस जिसमें फर्नीचर, जैसे सोफे, कुर्सियां, और और बेड आदि को सजाने और आरामदायक बनाने के लिए कपड़े फोम, और अन्य मटीरियल का इस्तेमाल किया जाता है। या हाथ से बने एक्सेसरीज हों। कई घरों में हस्तशिल्पों के साथ बेस के रूप में वस्त्र के इस्तेमाल से उसे आकर्षक बनाया जाता है, इसके उलट भी होता है। भारत टेक्स 2025, खरीदारों को इन दोनों दुनिया के सर्वोत्तम उत्पादों को देखने का अनूठा अवसर प्रदान करता है-जहां बदलते रंगों और आकार का एक पूरा पैटर्न, और वह 'लुक' ऐंड 'फील' यानी छवि मौजूद है, जिसे वो बनाना और पेश करना चाहते हैं। आईईएमएल में भारत टेक्स 2025 में समवर्ती कार्यक्रम भी शामिल होंगे, जिनमें गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो 2025, डाईकेम वर्ल्ड 2025 और इंडिया सोर्सिंग कॉन्क्लेव 2025 शामिल है - जिसे बाइंग एंड सोर्सिंग कंसल्टेंट्स द्वारा आयोजित किया जाएगा, जिससे यह कपड़ा और हस्तशिल्प उद्योग के लिए एक व्यापक मंच बन जाएगा।''ईपीसीएच के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने साझा किया कि, 'भारत टेक्स 2025 के आगंतुकों को भौगोलिक संकेत जीआई से प्रमाणित हस्तशिल्प और वस्त्र को सोर्स करने का मौका मिलेगा। जीआई उत्पादों में उस खास क्षेत्र का हुनर, लोकप्रियता और अनोखापन समाहित होता है, और हमारा मानना है कि यह जीआई उत्पादकों के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त करने का एक बेहतरीन अवसर है।÷ इसके साथ ही उन्होंने विशेष आकर्षणों के बारे में भी बताया, जिसमें पारंपरिक खिलौने, लाइव शिल्प प्रदर्शन और डिजाइनरों के शोकेस शामिल हैं।ईपीसीएच के उपाध्यक्ष- सागर मेहता ने कहा, ' बीटूबी मेले

के रूप में निर्यात बाजार पर विशेष फोकस रखने वाला यह आयोजन विदेशी खरीदारों, आयातकों, बड़ी मात्रा में उत्पाद खरीदने वाले घरेलू खुदरा खरीदारों और उनके प्रतिनिधियों को आकर्षित करने के लिए तैयार है।' ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा, 'मेले के दौरान गुणवत्ता निर्धारण में ईएसजी; सीमा पार व्यापार वित्तपोषण; लॉजिस्टिक एवं सप्लाई चेन मैनेजमेंट; निर्यातकों के लिए निर्बाध जीएसटी रिफंड पर इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही बिजनेस के लिए डिजाइन रणनीतियों पर एक पैनल डिस्कशन भी होगा।÷ईपीसीएच देश से दुनिया भर के विभिन्न गंतव्यों तक भारतीय हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने और हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के उच्च गुणवत्ता वाले विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि को पेश करने वाली एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि वर्ष 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प निर्यात 32,758.80 करोड़ रुपये 3,956.46 मिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ, जो पिछले वर्ष के मुकाबले रुपये के संदर्भ में 9.13त्न और डॉलर के संदर्भ में 6.11त्न वृद्धि हुई। हस्तशिल्प का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2024-25 के शुरुआती दस महीनों, यानी अप्रैल से जनवरी, के दौरान 27,087.70 करोड़ रुपये 3,220.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में रुपये के संदर्भ में 8.66प्र. और डॉलर के संदर्भ में 6.89प्र. की वृद्धि हुई।

क्रिकेट के दिग्गज क्रिस गेल ने जीएल बजाज में एक विशेष मुलाकात और अभिवादन के लिए शिरकत की

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ ग्रेटर नोएडा।

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में माहौल बहुत ही उत्साहपूर्ण था, जब क्रिस गेल, महान क्रिकेटर, जिन्हें यूनिवर्स बॉस के नाम से जाना जाता है और जीएल बजाज सुपर स्ट्राइकर्स नोएडा के मेंटर, एक विशेष मुलाकात और अभिवादन सत्र के लिए परिसर में आए।यह कार्यक्रम छात्रों और क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक रोमांचक अनुभव था, क्योंकि क्रिस गेल ने एक दोस्ताना मैच में भाग लिया, जिसमें उन्होंने मैदान पर अपनी करिश्माई ऊर्जा और शक्तिशाली स्ट्रोक का प्रदर्शन किया। मैच के बाद, उन्होंने एक इंटरैक्टिव सत्र में दर्शकों के साथ बातचीत की, प्रशंसकों के सवालों के जवाब दिए, अपनी यात्रा साझा की और खेल के बारे में जानकारी दी।गेल ने खिलाड़ियों के साथ बातचीत करने, उभरते क्रिकेटरों को प्रेरित करने और युवा प्रतिभाओं को जुनून और समर्पण के साथ खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए भी समय निकाला।

उनके प्रोत्साहन भरे शब्दों ने कड़ी मेहनत और खेल भावना के महत्व पर जोर दिया, जिससे महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों पर एक स्थायी प्रभाव पड़ा। इस अवसर पर बोलते हुए, जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की सीईओ श्रीमती कार्तिकेय अग्रवाल ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहाः 'जीएल बजाज में क्रिस गेल का होना एक सम्मान की बात है और यह खेल और विकास को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनकी यात्रा, ऊर्जा और मार्गदर्शन हमारे छात्रों को बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों की ओर काम करने के लिए प्रेरित करेगा - चाहे वह शिक्षा, खेल या जीवन में हो।' इसके अलावा, जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष श्री पंकज अग्रवाल ने कहा÷जीएल बजाज में, हम दृढ़ता से मानते हैं कि शिक्षा कक्षा से परे है। खेल जीवन के मूल्यवान सबक सिखाते हैं - टीम वर्क, अनुशासन और दृढ़ता। क्रिस गेल की यात्रा ने हमारे छात्रों और खिलाड़ियों को ऊर्जावान बना दिया है, और हम उन्हें जीएल बजाज सुपर स्ट्राइकर्स नोएडा के संरक्षक के रूप में पाकर रोमांचित हैं।÷ कार्यक्रम का समापन गेल द्वारा जीएल बजाज सुपर स्ट्राइकर्स नोएडा टीम के प्रयासों की सराहना करने और उन्हें आगामी एलएलसी टेन10 सीरीज में पूरे जोश और उत्साह के साथ खेलने का आग्रह करने के साथ हुआ।

'संकल्प से सिद्धि का अमृत कारक है महाकुंभ का पावन जल'

-पंडित निखिलेश चंद्र शर्मा लेखक जाने माने शिक्षाविद एवं ज्योतिष सलाहकार हैं

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ ग्रेटर नोएडा।

देवभूमि भारत स्थित तीर्थराज प्रयाग में 144 वर्षों के बाद महायोग के बीच महाकुंभ का शुभारंभ हुआ जो 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के पावन पर्व तक जारी रहेगा पंडित निखिलेश चंद्र शर्मा जी ने भी महादेव की विशेष अनुकंपा से संगम तीर्थ स्थित त्रिवेणी घाट , नाग वशुकी घाट पर आस्था की डुबकी लगाई लेख अनुसार महाकुंभ का महत्व युगो युगो से सर्व विदित है किंतु इस बार होने वाले इस महाकुंभ तथा इसमें उपस्थित अपार जन समूह के रूप मे श्रद्धालुओ का आगमन पूर्व ज्ञान के साथ-ही साथ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव के कारण और अधिक विस्तृत हुआ है द्य इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी ने महाकुंभ के इस महान पावन अवसर को विश्व के कोने-कोने तक सूचित किया विशेष कर भौतिक जगत को ही अपना सर्वस्व मान बैठी कुछ युवा पीढ़ी के सदस्यो को, यह संदेश पहुंचाने की धर्म, अध्यात्म एवं भौतिकता का संगम ही जीवन की सार्थकता को सिद्ध करता है, ना की मात्र भौतिक सुख सुविधा एवं अपार धन संपत्ति का अर्जन, लेख लिखे जाने तक इस महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने वालों की संख्या 42 करोड़ पार कर चुकी है जो कि विश्व के कई छोटे छोटे देश की कुल आबादी से भी अधिक है यह चमत्कार महा देव की कृपा से केवल भारतवर्ष में ही संभव है। इस बार महाकुंभ में साधु संत, नागा संन्यासियों ,के साथ ही साथ अनेक उद्योगपतियों, राजनेताओं, कलाकारों ,विदेशी मेहमानों सहित आम जनता ने बढ़ चढ़कर कर भाग लिया तथा आस्था की पावन डुबकी लगाकर अपने जीवन को धन्य किया महाकुंभ में विशेष स्नान ,विशेष पर्व पर तो होता ही है साथ ही साथ इस महाकुंभ की यह विशेषता भी है, कि महाकुंभ के आरंभ से लेकर अंत तक किसी भी दिवस स्नान दान सच्चे मन से किया जाए तो वह व्यक्ति को मनोवांछित फल, पुण्य प्रदान करता है महाकुंभ में स्नान करने वाले असीम ऊर्जा से भर जाते है , तथा अपने जन्म में जाने अनजाने किए पापों से भी मुक्ति की ओर बढ़ता है उसके अंदर का अपराध बोध समाप्त होने लगता है ।महाकुंभ में तीर्थराज प्रयाग में कल्प वास की परंपरा अनादि कालीन है, पदम पुराण , अग्नि पुराण एवं स्कंद पुराण भी कल्पवास की महिमा का वर्णन करते हैं प्राचीन ग्रंथो के अनुसार सृष्टि कर्ता श्री ब्रह्मा जी ने सृष्टि निर्माण के उपरांत प्रथम यज्ञ इस पावन भूमि प्रयागराज में ही किया था , तभी से प्रथम यज्ञ प्र और याग अर्थात यज्ञ से इस पावन स्थल का नाम प्रयाग पड़ा धन्य है महाकुंभ नगरी तीर्थराज प्रयाग में नमन करता हूं , हर हर महादेव हर हर गंगे ।

मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश घायल, साथी गिरफ्तार, बाइक चोरी के बड़े गिरोह का खुलासा

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ गौतमबुद्धनगर

सूरजपुर थाना पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी घायल हो गया, जबकि उसका साथी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को इनके पास से अवैध हथियार, चोरी की बाइक और मोटरसाइकिल के कटे हुए पार्ट्स बरामद हुए हैं।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सूरजपुर थाना पुलिस मोजर बीयर गोल चक्कर पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक होंडा बाइक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसकी पहचान दिलशाद उर्फ इरशाद पुत्र नूर मोहम्मद निवासी असालतपुर, थाना टीला मोड़, गाजियाबाद के रूप में हुई। वहीं, उसका साथी मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने कॉबिंग कर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान अशरफ पुत्र शमशाद निवासी नाहल, थाना मसूरी, गाजियाबाद के रूप में हुई। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो जिंदा और दो खोखा कारतूस, चोरी की होंडा बाइक और उनकी निशानदेही पर चोरी की गई एक कटी हुई अपाचे बाइक (नीले रंग की) तथा चार अन्य मोटरसाइकिल के पार्ट्स बरामद किए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह बाइक चोरी कर उनके पार्ट्स अलग-अलग जगह बेचता था। दिलशाद के खिलाफ गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर के विभिन्न थानों में कुल 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस दोनों अभियुक्तों के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

पीआरवी वाहनों की तत्परता से गौतमबुद्धनगर पुलिस को प्रदेश में दूसरा स्थान

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ गौतमबुद्धनगर

पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत यूपी 112 सेवा के पीआरवी वाहनों ने त्वरित कार्रवाई और सहायता उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त यातायात एवं नोडल अधिकारी यूपी 112 के पर्यवेक्षण में माह फरवरी में 1 फरवरी से 10 फरवरी 2025 तक कुल 9,930 इवेंट्स पर पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया दर्ज की गई। इन घटनाओं पर औसत रेस्पॉन्स टाइम महज 3 मिनट 23 सेकंड रहा, जिससे जरूरतमंद लोगों को शीघ्र सहायता उपलब्ध हो सकी। पुलिस प्रशासन ने न केवल आपातकालीन स्थितियों में तुरंत सहायता प्रदान की, बल्कि रात्रि गश्त के दौरान सार्वजनिक स्थलों जैसे रास्तों, फुटपाथों और बस स्टैंडों पर सोने वाले 36 असहाय व्यक्तियों को सुरक्षित रेन बसेरा तक पहुँचाया। इस मानवीय पहल की आम जनता द्वारा सराहना की गई। पुलिस नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त घटनाओं के आधार पर पीआरवी वाहनों के रूटचार्ट में आवश्यक सुधार किए गए हैं। जिस क्षेत्र में अधिक घटनाएं दर्ज हुईं, वहां अतिरिक्त पीआरवी वाहनों की तैनाती और गश्त का समय बढ़ाया गया, जिससे पीड़ितों को शीघ्र सहायता मिल सके। इस प्रभावी कार्य प्रणाली के चलते गौतमबुद्धनगर पुलिस ने पूरे उत्तर प्रदेश में 1 फरवरी से 10 फरवरी 2025 के बीच दूसरा स्थान प्राप्त किया है। पुलिस प्रशासन लगातार अपनी सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे आमजन को बेहतर सुरक्षा और त्वरित सहायता मिल सके।

प्लॉट बेचने का झांसा देकर 25 लाख हड़पे

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ नोएडा ।साकीपुर गांव निवासी युवक ने अपने ही गांव के रहने वाले परिवार पर किसान कोटे का प्लॉट बेचने का झांसा देकर 25 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। आरोपियों ने पीड़ित को न प्लॉट दिया और न रकम लौटाई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने एक महिला और उसके दो बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। साकीपुर गांव निवासी अनिल कुमार ने न्यायालय को बताया कि वर्ष 2022 में उनकी मुलाकात गांव की रहने वाली वीरवती से हुई। महिला ने रुपये की जरूरत बताते हुए अपना एक किसान कोटे का प्लॉट बेचने का झांसा दिया। पीड़ित और महिला के परिवार के बीच 60 लाख रुपये में प्लॉट का सौदा तय हुआ। इसके बाद पीड़ित ने महिला और उसके परिवार के लोगों को 25 लाख रुपये दे दिए। बाकी रकम प्लॉट की रजिस्ट्री के समय देने की बात हुई। पीड़ित का आरोप है कि काफी दिन बाद भी आरोपी पक्ष ने प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं की। पीड़ित ने रजिस्ट्री का दबाव बनाया तो आरोपी इधर-उधर की बात करने लगे। इतना ही नहीं, महिला ने रजिस्ट्री करने से मना कर दिया।

नोएडा : दिल्ली से आने वाले भारी ट्रैफिक को देखते हुए इंडियन ऑयल गोल चक्कर के पास बनेगा एफओबी

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ नोएडा।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में इंडियन ऑयल गोलचक्कर पर दिल्ली से आने वाले भारी ट्रैफिक का दबाव आम बात है। यहीं मेट्रो का सेक्टर-15 स्टेशन भी है। रोजाना लाखों की संख्या में वाहन यहां से गुजरते हैं और हजारों लोग पैदल सड़क पार करते हैं। सड़क पार करते समय आए दिन दुर्घटनाएं भी होती हैं। इसलिए, यहां एक फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम., जीएम जल और अन्य अधिकारियों ने मंगलवार को इस स्थल का निरीक्षण किया। एफओबी उद्योग मार्ग पर बनाया जा सकता है। इसकी फिजिबिलिटी देखी जा रही है। आम लोगों के मूवमेंट के हिसाब से ही एफओबी का अलाइनमेंट तय किया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि डीएससी रोड पर मेट्रो स्टेशन ही एफओबी का काम करते हैं। ऐसे में डीएससी रोड पर इसकी आवश्यकता नहीं है। पीक आवर में दिल्ली की तरफ से भारी ट्रैफिक सेक्टर-1, 2, 14, 15 की क्रॉसिंग पर देखा जाता है। इस ट्रैफिक के बीच से लोग आते-जाते हैं। यहां दुर्घटना होने की प्रबल आशंका है। इसलिए जल्द से जल्द एफओबी बनाने की योजना है।

नशा मुक्ति के लिए कानूनी एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष सत्र का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स संवाददाता/ नोएडा

सेक्टर 62 स्थित आईएमएस नोएडा में नशा मुक्ति युवा अभियान के दूसरे दिन कानूनी एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष सत्र का आयोजन हुआ। मंगलवार को कार्यक्रम के दौरान बतौर वक्ता माइंड ईज़ के निदेशक एवं नैदानिक मनोवैज्ञानिक राशि जुनेजा, एम्स के नशा मुक्ति इकाई की मनोवैज्ञानिक मेघा शर्मा एवं एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रतिनिधी शिवम त्यागी ने अपने विचार प्रकट किए। वहीं आज के कार्यक्रम के दौरान नशीली पदार्थों के दुरुपयोग से जुड़े कानूनी और मानसिक स्वास्थ्य पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

नशा मुक्ति अभियान उड़ान के दूसरे दिन की शुरुआत आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने की। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए युवाओं को जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज में नशा मुक्ति के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ परिवार की भूमिका अहम है।युवा पीढ़ी को सही दिशा देकर ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। वहीं शाइनिंग सोल्स ट्रस्ट के संस्थापक राहुल सिन्हा ने कहा कि नशे की लत सिर्फ व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है। उन्होंने कहा कि नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों एवं सरकार को मिलकर काम करना होगा।कार्यक्रम के दौरान माइंड ईज़ की निदेशक एवं नैदानिक मनोवैज्ञानिक राशि जुनेजा ने नशे के मानसिक प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नशे की लत मानसिक तनाव, अवसाद और अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं को जन्म देती है। युवाओं को इस जाल से बचाने के लिए परिवार और समाज के सहयोग की आवश्यकता है। एम्स की नशा मुक्ति इकाई की मनोवैज्ञानिक मेघा शर्मा ने कहा कि नियमित परामर्श, योग, ध्यान और सकारात्मक सोच अपनाकर व्यक्ति नशे से बाहर निकल सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि शुरुआती चरण में ही इस आदत को पहचान कर सही कदम उठाना जरूरी होता है। वहीं एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रतिनिधि शिवम त्यागी ने कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए हैं। उन्होंने युवाओं को सचेत करते हुए कहा कि नशीली दवाओं की खरीद-बिक्री और उपभोग के खिलाफ कड़े प्रावधान हैं, और इस प्रकार की गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।आज के कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने विशेषज्ञों से सवाल-जवाब किए और नशा मुक्ति से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता, तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की जिला सलाहकार डॉ. श्वेता खुराना के साथ संस्थान के शिक्षक एवं छात्रों ने मौजूदगी दर्ज करायी।

राजनीति में युवाओं की भागीदारी की आवश्यकता

डॉ. सत्यवान सौरभ

अगर राजनीतिक दल युवाओं को राजनीति में शामिल करने के बारे में गंभीर हैं तो उन्हें कई तरह के कदम उठाने होंगे। पहला कदम सरकार द्वारा युवा मानदंड में बदलाव करना होगा। आज 34-35 वर्ष की आयु के लोगों को भी युवा माना जाता है। इस मानदंड को कम करने की आवश्यकता होगी। अपने संगठनात्मक ढांचे में, पार्टियों को युवाओं के लिए अधिक जगह बनाने की आवश्यकता होगी। आमतौर पर यह देखा गया है कि वयस्कता के करीब पहुंचने वाले नेता प्रमुख राजनीतिक दलों की युवा इकाइयों की बागडोर भी संभालते हैं। अपने छात्र संगठनों के लिए, राजनीतिक दलों को अधिकतम आयु प्रतिबंध भी स्थापित करने की आवश्यकता होगी। बेहतर होगा कि तीस वर्ष से अधिक आयु वालों को इससे बाहर रखा जाए।

राजनीति में युवाओं की भागीदारी न केवल एक लक्ष्य है, बल्कि यह समावेशी और प्रगतिशील लोकतंत्र के लिए एक आवश्यक शर्त भी है। हालाँकि, बहुत कम युवा लोग राजनीति में भाग लेना जारी रखते हैं और उनकी आवाज को अक्सर स्थापित सत्ता संरचनाओं द्वारा दबा दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में बिना राजनीतिक अनुभव वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में प्रवेश करने के लिए आमंत्रित करने का प्रस्ताव विकेंद्रीकरण, समावेशिता और युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। ज्ञान के भंडार वाले अनुभवी नेताओं ने पारंपरिक रूप से भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान रखा है। वे अक्सर पारंपरिक ढाँचों के भीतर काम करते हैं, जो समकालीन मुद्दों को संभालने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं, इस तथ्य के बावजूद कि उनका ज्ञान अमूल्य है। युवा नेता रचनात्मक समाधान, तकनीकी जानकारी और समकालीन शासन मॉडल का योगदान देकर गतिशील और डेटा-संचालित नीति निर्माण की सुविधा प्रदान करते हैं।

एक स्थायी भविष्य की गारंटी के लिए, युवा नेता हरित कानूनों, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और जलवायु अनुकूलन रणनीतियों को बढ़ावा दे सकते हैं। युवा-संचालित शासन में उद्यमिता, कौशल विकास और उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा को प्राथमिकता देकर बेरोजगारी और अल्परोजगार को सम्बोधित करने की क्षमता है। युवाओं की भागीदारी के माध्यम से, भारत पारदर्शी और प्रभावी शासन प्राप्त करने के लिए ब्लॉकचेन, स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बेहतर उपयोग कर सकता है। नागरिक भागीदारी के लिए सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म का उपयोग करके, युवा लोग जवाबदेही में सुधार कर सकते हैं, लोकतांत्रिक मूल्यों को पुनर्जीवित कर सकते हैं और राजनीतिक भ्रष्टाचार को कम कर सकते हैं। युवा जो राजनीतिक रूप से जागरूक और सक्रिय हैं, वे गारंटी देते हैं कि लोकतंत्र जीवित रहेगा और लोगों की मांगों के प्रति उत्तरदायी रहेगा।

भारतीय राजनीति में पारंपरिक रूप से वंशवादी परिवारों का वर्चस्व रहा है, जिससे योग्यता-आधारित और जमीनी स्तर

के नेतृत्व के लिए बहुत कम जगह बची है। परिवार या पैसे के समर्थन के बिना, कई युवा उम्मीदवारों को राजनीतिक मंच प्राप्त करना मुश्किल लगता है। युवाओं में अक्सर राजनीतिक प्रशासन, नीति विश्लेषण और शासन में औपचारिक प्रशिक्षण की कमी होती है, भले ही उनमें उच्च स्तर का उत्साह हो। वर्तमान राजनीतिक दलों द्वारा दी जाने वाली सलाह की कमी युवा नेताओं को खुद की रक्षा करने के लिए मजबूर करती है। चूँकि कार्यालय चलाने के लिए महत्त्वपूर्ण वित्तीय निवेश की आवश्यकता होती है, इसलिए पहली पीढ़ी के राजनेताओं के लिए अधिक अनुभवी नेताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करना चुनौतीपूर्ण होता है। राजनीति के अपराधीकरण के साथ-साथ पैसा और शारीरिक शक्ति अक्सर शिक्षित युवाओं को सार्वजनिक सेवा में करियर बनाने से रोकती है। प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए, कई राजनीतिक दल युवा नेताओं को निर्णय लेने की शक्ति दिए बिना शामिल करते हैं। इस सतही समावेशन के परिणामस्वरूप युवा राजनेताओं को शासन संरचनाओं में अधिक प्रभाव या परिवर्तन नहीं दिया जाता है।

युवा नेताओं द्वारा समान आर्थिक विकास, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा का समर्थन करने वाली नीतियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बेरोजगारी, जातिगत भेदभाव और लैंगिक समानता जैसे सामाजिक मुद्दों के लिए प्रगतिशील नीतियों और जमीनी स्तर पर भागीदारी की आवश्यकता होती है। संधारणीय कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा पहल और पर्यावरण के अनुकूल शहरी नियोजन सभी को युवा नेतृत्व द्वारा आगे बढ़ाया जा सकता है। ग्रीन इंडिया और क्लीन इंडिया (स्वच्छ भारत) जैसी पहलों के लिए अधिक मजबूत युवा-संचालित कार्यान्वयन योजनाओं की आवश्यकता होती है। आने वाली पीढ़ी को उन्नत कौशल प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया और स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों का विस्तार करना आवश्यक है। दुनिया में भारत का नेतृत्व जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में इसके निवेश पर बहुत अधिक निर्भर करेगा। लोकतंत्र के पतन को रोकने के लिए, युवा सक्रियता और नागरिक जुड़ाव को खुले, जवाबदेह और लोगों पर केंद्रित शासन की गारंटी देनी चाहिए। सहभागी शासन मॉडल और सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून को मजबूत करके लोकतंत्र को गहरा किया जा सकता है।

राजनीतिक दलों द्वारा उम्मीदवारों का चयन उनकी दूरदर्शिता, योग्यता और नेतृत्व की क्षमता के आधार पर किया जाना चाहिए, जिसमें पक्षपात पर योग्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। युवा नेताओं को उनके पारिवारिक सम्बंधों के बजाय उनके प्रदर्शन के आधार पर आगे बढ़ने में सक्षम बनाने के लिए पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना आवश्यक है। मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करके शासन, नीति निर्माण और विधायी प्रक्रियाओं में युवा राजनेताओं को औपचारिक रूप से सलाह दें। युवाओं को प्रशासन और कानून की व्यावहारिक समझ देने के लिए, विश्वविद्यालय और अन्य संस्थान 'राजनीतिक नेतृत्व और शासन' पाठ्यक्रम प्रदान कर सकते हैं। युवाओं को वित्तीय बाधाओं का सामना किए बिना कार्यालय चलाने में सक्षम बनाकर, चुनावों के लिए राज्य वित्त पोषण खेल के मैदान को समतल करने में मदद कर सकता है। भ्रष्टाचार से मुक्त और निष्पक्ष वातावरण स्थापित करने के लिए राजनीतिक अपराधीकरण के खिलाफ सख्त कानून लागू करना आवश्यक है। युवा राजनेताओं की क्षमता बढ़ाने और मतदाताओं को शिक्षित करने के कार्यक्रमों को नागरिक समाज संगठनों द्वारा सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया जाना चाहिए। शासन में सफल होने वाले युवाओं की कहानियों को अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मीडिया में दिखाया जाना चाहिए। युवाओं की भागीदारी को संस्थागत बनाने के लिए, राजनीतिक दलों और शासन संरचनाओं को युवा प्रतिनिधित्व के लिए न्यूनतम कोटा लागू करना चाहिए। सलाहकार परिषदों, युवा संसदों और मंत्रालय इंटर्नशिप जैसे नेतृत्व के अवसरों को बढ़ाया जाना चाहिए। आज लिए गए निर्णय आने वाले दशकों में भारत के मार्ग को प्रभावित करेंगे क्योंकि देश अपने इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। स्वामी विवेकानंद की सलाह 'उठो, जागो और आगे बढ़ो' आज भी लागू है।

संपादकीय

मणिपुर : इस्तीफे की घुट्टी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2017 में पहली दफा मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे।उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का राज्य में यह दूसरा कार्यकाल था, परंतु राज्य में हो रही हिंसा पर नियंत्रण रखने में नाकामयाब रहने के आरोप लग रहे थे। इसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका को लेकर आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता को लेकर सील बंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगने के बाद ताजा विवाद शुरू हो गया। इतना ही नहीं, विपक्षी दल कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार थी। बीते दो वर्षों से राज्य में मैतई समुदाय व कुकी जनजातियों के बीच चल रहे खूनी संघर्ष से निपटने में सिंह असफल ही नहीं रहे। बल्कि उन पर मैतई विद्रोहियों के समर्थन का भी आरोप है। उनके दल के ही कुछ विधायकों के मुख्यमंत्री से खासा नाराज होने और विपक्ष के संपर्क में होने की चर्चा भी जोरों से है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व को आनन-फानन यह निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा। नाराज धड़ा यदि टूटकर विपक्ष के पाले में जा मिलता तो सरकार पर संकट आना लाजमी था। जो मोदी सरकार की फजीहत करने वाला साबित होता। इधर दिल्ली सरकार में पताका फहराने का जोश मन्दा भी नहीं पड़ा था कि हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की सत्ता पर संकट गहराता भांपते ही स्थिर पर काबू करने के लिहाज से इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी गई। मणिपुर के अकेले चर्चित फुटबॉल खिलाड़ी रहे बीरेन पत्रकारिता में भी हाथ अजमा चुके हैं। खिलाड़ी और संपादक रहने के नाते उन्हें दांवपेंच का महारथी माना जाता रहा है। कुछ ही दिन पहले उनका कथित इस्तीफा भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसे फटा हुआ बताकर शरारत साबित करने की कोशिशें की गई थीं। सबसे लंबे समय तक वहां के मुख्यमंत्री रहे ओकराम इबोबी के सबसे करीबी रहने और उनसे राजनीतिक दांव-पेच सीखने वाले सिंह ने न सिर्फ उनसे बगावत की बल्कि पलटवार करते हुए सत्ता भी हासिल की। आशंका की जा सकती है कि सिंह अपने तेवर फिर दिखाने से चूकेंगे नहीं और सियासी घमासान में पुराना पैंतरा आजमाने से हिचक नहीं सकते। राज्य में शांति बहाली की प्राथमिकता को स्वीकरते हुए केंद्र को भीतरघात के प्रति चौकन्ना रहने के प्रति खास तवज्जो देनी होगी।

चिंतन-मनन

दुखी चित्त के लक्षण हैं उत्सव

दुनिया में दो ही तरह के लोग हैं- एक वे जो अपने को नया करने का राज खोज लेते हैं, और एक वे जो अपने को पुराना बनाए रखते हैं और चीजों को नया करने में लगे रहते हैं। भौतिकवादी और आध्यात्मवादी में एक ही फर्क है। आध्यात्मवादी रोज अपने को नया करने की चिंता में संलग्न है। क्योंकि उसका कहना यह है कि अगर मैं नया हो गया तो इस जगत में मेरे लिए कुछ भी पुराना न रह जाएगा। क्योंकि जब मैं ही नया हो गया तो पुराने का स्मरण करने वाला भी न बचा, पुराने को देखने वाला भी न बचा, हर चीज नई हो जाएगी। और भौतिकवादी कहता है कि चीजें नई करो, क्योंकि स्वयं के नए होने का तो कोई उपाय नहीं है। नया मकान बनाओ, नई सड़कें लाओ, नए कारखाने, नई सारी व्यवस्था करो। उत्सव हमारे दुखी चित्त के लक्षण हैं। चित्त दुखी है वर्ष भर, एकाध दिन हम उत्सव मना कर खुश हो लेते हैं। वह खुशी बिल्कुल थोपी गई होती है।

क्योंकि कोई दिन किसी को कैसे खुश कर सकता है? दिन! अगर कल आप उदास थे और कल मैं उदास था, तो आज दिवाली हो जाए तो मैं खुश कैसे हो जाऊंगा? हां, खुशी का भ्रम पैदा करुंगा। दीये, पटाके, फुलझड़ियां और रोशनी धोखा पैदा करेंगी कि आदमी खुश हो गया। लेकिन ध्यान रहे, जब तक दुनिया में दुखी आदमी हैं, तभी तक दिवाली है। जिस दिन दुनिया में खुश लोग होंगे उस दिन दिवाली नहीं बचेगी, क्योंकि रोज ही दिवाली जैसा जीवन होगा। जब तक दुनिया में दुखी लोग हैं तब तक मनोरंजन के साधन हैं। जिस दिन आदमी आर्नंदित होगा उस दिन मनोरंजन के साधन एकदम विलीन हो जाएंगे। कभी यह सोचा न होगा कि अपने को मनोरंजित करने वही आदमी जाता है जो दुखी है। इसलिए दुनिया जितनी दुखी होती जाती है उतने मनोरंजन के साधन हमें खोजने पड़ रहे हैं। चौबीस घंटे मनोरंजन चाहिए, क्योंकि आदमी दुखी होता चला जा रहा है।

हम समझते है कि जो आदमी मनोरंजन की तलाश करता है, बड़ा प्रफुल्ल आदमी है। ऐसी भूल में मत पड़ जाना। सिर्फ दुखी आदमी मनोरंजन की खोज करता है। और सिर्फ दुखी आदमी ने उत्सव ईजाद किए हैं। पुराने पड़ गए चित्त में, जिसमें धूल ही धूल जम गई है; वह नए दिन, नया साल, इन सबको ईजाद करता है। और धोखा पैदा करता है थोड़ी देर। कितनी देर नया टिकता है? कल फिर पुराना दिन शुरू हो जाएगा। लेकिन एक दिन के लिए हम अपने को झटका देकर जैसे झाड़ देना चाहते हैं सारी राख को, सारी धूल को। उससे कुछ होने वाला नहीं है।

संत रविदास जयंती : मानवतावादी संत थे संत रविदास

योगेश कुमार गोयल

समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराईयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, 'मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है!' इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को 'रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना।

ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली और मुद्रा के बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन देते हुए वह कंगन रविदास को देने का कहा। सोने का रत्न जड़ित अत्यंत सुंदर कंगन देखकर ब्राह्मण के मन में लालच आ गया और उसने विचार किया कि घर पहुंचकर वह यह कंगन अपनी पत्नी को देगा, जिसे पाकर वह बेहद खुश हो जाएगी। पत्नी ने जब वह कंगन देखा तो उसने सुझाव दिया कि क्यों न रत्न जड़ित यह कंगन राजा को भेंट कर दिया जाए, जिसके बदले वे प्रसन्न होकर हमें मालामाल कर देंगे। पत्नी की बात सुनकर ब्राह्मण राजदरबार पहुंचा और कंगन राजा को भेंट किया तो राजा ने ढ़ेर सारी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी। राजा ने प्रेमपूर्वक वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में पहनाया तो महारानी इतना सुंदर कंगन पाकर इतनी खुश हुई कि उसने राजा से दूसरे हाथ के लिए भी वैसे ही कंगन की मांग की।

राजा ने अगले ही दिन ब्राह्मण को दरबार बुलाया और उसे वैसा ही एक और कंगन लाने का आदेश देते हुए कहा कि अगर उसने तीन दिन में कंगन लाकर नहीं दिया तो वह दंड का पात्र बनेगा। राजाज्ञा सुनकर बेचारे ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह गहरी सोच में डूब गया कि आखिर दूसरा कंगन वो कहां से लाएगा? उसे जब और कोई रास्ता नहीं सूझा तो उसने निश्चय किया कि वह संत रविदास के पास जाकर उन्हें सारे वाकये की जानकारी देगा कि कैसे गंगा मैया ने स्वयं यह कंगन उसे उन्हें देने के लिए दिया था, जो उसने लोभवश अपने पास रख लिया। अंततः यही सोचकर वह रविदास जी की कुटिया में जा पहुंचा। रविदास उस समय प्रभु का स्मरण कर रहे थे। ब्राह्मण ने जब उन्हें सारे वृत्तांत की विस्तृत जानकारी दी तो रविदास जी ने उनसे नाराज हुए बगैर कहा कि तुमने मन के लालच के कारण कंगन अपने पास रख लिया, इसका पछतावा मत करो। रही बात राजा को देने के लिए दूसरे कंगन की तो तुम उसकी चिंता भी मत करो, गंगा मैया तुम्हारे मान-सम्मान की रक्षा करेंगी। यह कहते हुए उन्होंने अपनी वह कठौती (चमड़ा भिगोने के लिए पानी से भरा पात्र) उठाई, जिसमें पानी भरा हुआ था और जैसे ही गंगा मैया का आव्हान करते हुए अपनी कठौती से जल छिड़का, गंगा मैया वहां प्रकट हुई और रविदास जी के आग्रह पर उन्होंने रत्न जड़ित एक और कंगन उस ब्राह्मण को दे दिया। इस प्रकार खुश होकर ब्राह्मण राजा को कंगन भेंट करने चला गया और रविदास जी ने उसे अपने बड़प्पन का जरा भी अहसास नहीं होने दिया। ऐसे थे महान संत रविदास जी, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चीन : ऐसे किया जाता है विकास

विनीत नारायण

हमारे पड़ोसी देश चीन ने पिछले सप्ताह एक बार फिर से सुर्खियां बनाई। इस बार भारत में घुसपैठ नहीं बल्कि भारत और दुनिया भर के लिए एक उदाहरण बना। चीन ने अपने नवाचार द्वारा एक रेगिस्तान को न सिर्फ रोका बल्कि उसे हरा-भरा भी कर दिया। चीन का यह विकास कार्य आज काफी चर्चा में है। 'मौत का सागर' के रूप में जाने जाना वाला तकलामाकन रेगिस्तान 337,600 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसका आकार लगभग पश्चिमी देश जर्मनी के बराबर का क्षेत्र है। इसके विशाल रेत के टीलों और बार-बार आने वाले रेतीले तूफानों ने लंबे समय तक मौसम के पैटर्न को बाधित किया है। कृषि को खतरे में डाला है और मानव स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। जवाब में चीन ने एक व्यापक हरित अवरोध लागू किया है, जिसे रेगिस्तान के किनारों को लॉक करने और इसके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को स्थिर करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन प्रयासों ने न केवल रेलवे और राजमागरे जैसे महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा की है, बल्कि यह भी प्रदर्शित किया है कि टिकाऊ प्रौद्योगिकियां मरुस्थलीकरण का प्रतिकार कैसे कर सकती हैं।

सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई पणालियों को एकीकृत करके, चीन पृथ्वी पर सबसे कठिन वातावरणों में से एक में वनस्पति को बनाए रखने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कर रहा है।

तकलामाकन रेगिस्तान के इस व्यापक पहल पर चार दशकों से काम चलाया गया। ग्रीनबेल्ट का पहला 2,761 किलोमीटर का काम कई वर्षों में पूरा हुआ, अंतिम चरण नवम्बर 2022 में शुरू हुआ, जिसमें रेगिस्तानी चिनार, लाल विलो और सैक्सौल पेड़ों जैसी लचीली, रेगिस्तान-अनुकूल प्रजातियों को रोपने के लिए 600,000 श्रमिकों को एक साथ लाया गया-जो शुष्क परिस्थितियों में जीवित रहने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं। ये पौधे कई उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं: वे खिसकती रेत को सहारा देते हैं, रेगिस्तान के विस्तार को धीमा करते हैं और स्थानीय समुदायों को आर्थिक लाभ प्रदान करते हैं। यह परियोजना इतिहास में सबसे महत्त्वाकांक्षी पुनर्वनीकरण प्रयासों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है, जो दुनिया भर में भूमि क्षरण से निपटने के लिए एक नई मिसाल कायम करती है।

उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में ग्रीनबेल्ट का प्राथमिक लक्ष्य मरुस्थलीकरण को रोकना है, यह परियोजना दीर्घकालिक आर्थिक अवसर भी पैदा कर रही है। कुछ नये लगाए गए पेड़, जैसे कि रेगिस्तानी जलकुंभी में औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से हर्बल चिकित्सा के लिए आकषर्क बाजार खोलते हैं। इसके अलावा, 2022 में, चीन ने हॉटन-रुओकियांग रेलवे का उद्घाटन किया, जो रेगिस्तान के चारों ओर दुनिया की पहली पूरी तरह से घिरी हुई रेलवे थी। 2,712 किलोमीटर लंबा रेलवे रेगिस्तानी शहरों को जोड़ता है, जिससे अखरोट और लाल खजूर जैसे स्थानीय कृषि उत्पादों को पूरे चीन के बाजारों तक पहुंचाना आसान हो जाता है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार और विकास को और बढ़ावा मिलता है। खबरों के मुताबिक चीन पुनर्वनरोपण पर रोक नहीं लगा रहा है बल्कि तकलामाकन रेगिस्तान में एक विशाल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना भी चल रही है।

चाइना थ्री गोरजेस कॉर्पोरेशन 8.5 गीगावाट सौर ऊर्जा और 4 गीगावाट पवन ऊर्जा स्थापित करने की योजना का नेतृत्व कर रहा है, जिसके अगले चार वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। रेगिस्तान की बहाली को टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन के साथ जोड़कर, चीन उस चीज को हरित विकास के अवसर में बदल रहा है जो कभी एक पारिस्थितिक चुनौती थी। गौरतलब है कि तकलामाकन ग्रीनबेल्ट की सफलता मरु स्थलीकरण और भूमि क्षरण से निपटने के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप है। इसी तरह की बड़े पैमाने की परियोजनाएं, जैसे कि अफ्रीका की ग्रेट ग्रीन वॉल, का उद्देश्य पूरे महाद्वीप में 8,000 किलोमीटर लंबे वृक्ष अवरोधक लगाकर सहारा रेगिस्तान के विस्तार को रोकना है।

तकलामाकन रेगिस्तान का विकास कार्य समान पारिस्थितिक खतरों का सामना करने वाले अन्य देशों के लिए एक खाका के रूप में भी कार्य कर रहा है। यह उपलब्धि नवीन पर्यावरणीय समाधानों के प्रति चीन की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। हरित प्रौद्योगिकियों और बड़े पैमाने पर पुनर्वनीकरण का लाभ उठाकर, राष्ट्र ने न केवल अपने स्वयं के

बुनियादी ढांचे और कृषि को सुरक्षित किया है, बल्कि भविष्य की वैश्विक रेगिस्तान बहाली परियोजनाओं के लिए भी मार्ग प्रशस्त किया है। भारत सहित सभी विकासशील देशों को चीन से सबक लेते हुए यह सीखना चाहिए कि विषम परिस्थितियों में भी विकास कार्य किए जा सकते हैं। ओछी राजनीति करने से किसी का भी लाभ नहीं होता। यदि केंद्र में और राज्य में दो अलग दलों की सरकार भी हो तो विकास कार्य पर किसी भी तरह की रोक लगाना आम जनता के साथ धोखा है। इसलिए यदि सही सोच वाला नेतृत्व सही योजनाओं को स्वीकृति करे तो ऐसे भ्रष्टाचार से बचा जा सकता है और ताकलामाकन रेगिस्तान जैसे कई विकास कार्य दोहराया जा सकते हैं।

हत्या की गुत्थी सुलझी, दो नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के सीलमपुर इलाके में एक नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या के मामले में पुलिस ने दो नाबालिग को पकड़ा है। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि मृतक उनके साथ मारपीट करता था और उनसे पैसे मांगता था। जिससे तंग आकर दोनों ने उसकी हत्या की। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक रविवार देर रात करीब 9:45 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि गली नंबर 7 गौतमपुरी के पास एक युवक घायल अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत जीटीबी अस्पताल पहुंचाया में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में पता चला मरने वाला 17 साल का नाबालिग है। वहीं स्थानीय पुलिस के साथ ही घटनास्थल पर क्राइम व एफएसएल की टीम ने निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। इधर, स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। फुटेज में पुलिस को दो लड़के दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों की पहचान कर दोनोंको पकड़ा।

सीलिंग की प्रक्रिया के खिलाफ याचिका दायर

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की अनधिकृत निर्माण सीलिंग नियमों के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि परिसर को सील करने से पहले सीलिंग आदेश की एक प्रति प्रभावित व्यक्ति को दी जानी चाहिए। याचिका के मुताबिक, इसके अतिरिक्त अपीलीय प्राधिकारी और अपील दायर करने के लिए 30 दिन की अवधि का विवरण शामिल करने की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अमित साहनी ने कहा कि नियमों में विसंगति के कारण संबंधित अधिनियम के तहत पारित अंतिम सीलिंग आदेश की प्रति परिसर को सील करने से पहले प्रभावित व्यक्ति को प्रदान नहीं की जाती है। यह प्रक्रिया प्रभावित व्यक्ति को वैधानिक उपाय का लाभ उठाने के अवसर से वंचित करती है। याचिका में कहा गया है कि इसका नतीजा मालिक/कब्जाधारक अक्सर आश्चर्यचकित हो जाते हैं, क्योंकि परिसर को सील कर दिया जाता है। सीलिंग होने के बाद ही आदेश की सूचना दी जाती है। सीलिंग आदेश की तामील किए बिना परिसर को सील करने व प्रभावित व्यक्ति को उनके वैधानिक अधिकारों से वंचित करने की प्रथा शक्ति का मनमाना उपयोग है। यह गैरकानूनी व असंवैधानिक दोनों है।

नाबालिग की हत्या में दो पकड़े, वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद

नई दिल्ली। सीलमपुर पुलिस ने मंगलवार को इलाके में नाबालिग की हत्या के मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस का दावा है कि वारदात के बाद कुछ ही घंटों के अंदर 15 व 16 वर्षीय दो नाबालिगों को पकड़ लिया गया है। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल एक चाकू बरामद कर लिया गया है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वह मृतक के इलाके में ही रहते थे और एक-दूसरे के जानकार थे। लेकिन मृतक नाबालिग उनको तरह तरह से परेशान करता था और आरोपियों ने रुपये मांगता था। आरोपियों के पास रुपये नहीं होते तो भी जबरन रुपये लाकर देने को कहता था। इस सब से परेशान होकर आरोपियों ने उस पर मौका देखकर चाकू से हमला कर दिया और बाद में उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान व तलाश की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, थाने में रविवार रात करीब 9.45 बजे एक व्यक्ति के घायल हालत में गौतमपुरी की गली संख्या सात में पड़े होने की सूचना मिली। सूचना के तत्काल बाद पुलिस मौके पर पहुंची और 17-18 वर्ष का एक युवक घायल हालत में मौके पर पड़ा मिला। क्राइम व एफएसएल की टीमों को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया गया। जांच के दौरान खून से लथपथ शव पर चाकू घोंपने के घाव मिले और चारों तरफ खून बिखरा पड़ा था। जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपियों की पहचान की और और दोनों को पकड़ लिया। इनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस पकड़े गये आरोपियों से भी पूछताछ कर छानबीन कर रही है।

चोरी के 2.5 लाख नकद समेत सेंधमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। फर्श बाजार पुलिस ने सोमवार को एक कुख्यात सेंधमार को चोरी के 2.5 लाख नकद समेत गिरफ्तार किया है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पकड़े गये आरोपी की पहचान गली संख्या पांच, न्यू गोविंदपुरा जगतपुरी निवासी मोहम्मद तजीम के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर गिरोह के अन्य गुर्गों के बारे में पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, 31 जनवरी तड़के छह बजे गली संख्या 6ए, विश्वास नगर में सेंधमारी की शिकायत मिली थी। शिकायत के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शिकायतकर्ता आशीष वर्मा का बयान दर्ज किया। इसके अलावा क्राइम टीम भी मौके पर पहुंची और सभी जरूरी सुराग जुटाए। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला। इसके बाद आरोपियों की पहचान कर स्थानीय सूत्रों व तकनीकि टीम की मदद से आरोपी मोहम्मद तजीम को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान इसकी निशानदेही पर पुलिस ने नकद रकम भी बरामद कर ली। पूछताछ में उसने बताया कि वह एक फल विक्रेता है और अपनी नशे की लत व बुरी आदतों की लत को पूरा करने के लिए वारदातें करने लगा। उक्त वारदात के लिए वह तड़के चार बजे एलपीजी पाइपलाइन की मदद से घर में घुस गया और 7.5 सात लाख रुपये से भरा बैग चुराकर फरार हो गया।

कमेटी बनाकर कई महिलाओं से लाखों की ठगी, केस दर्ज

नई दिल्ली। न्यू अशोक नगर इलाके में शुक्रवार को कमेटी बनाकर करीब दो दर्जन महिलाओं से 50 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक महिला ने ये कमेटी बनाई थी और मोहल्ले व आसपास की महिलाएं इसमें हर महीने निवेश कर रही थीं। लेकिन अचानक ही आरोपी महिला परिवार समेत मौके से फरार हो गई जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर मामला दर्ज करा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता रिंकी देवी अपने परिवार के साथ न्यू अशोक नगर इलाके में रहती हैं। वह कपड़ो की सिलाई का काम करती हैं। उनकी पड़ोस में ही आरोपी महिला मंजू शर्मा भी रहती थी और उसने अपने नाम से मासिक कमेटी बना रखी थी। इसमें पीड़िता समेत कई महिलाएं मासिक किश्त जमा कर रही थीं। पीड़िता भी हर महीने करीब सात से 10 हजार रुपये की किश्त प्रति माह जमा कर रही थीं और उन्होंने कुल करीब 6.5 लाख रुपये जमा किए थे। पीड़िता किश्तें ज्यादातर ऑनलाइन ही भेज देती थीं और कभी कभी देरी होने पर महिला का पति बसंत कुमार व तीन बेटों सावन, शशि व सागर में से कोई न कोई आकर ले जाता था। पीड़िता का दावा है कि आरोपी महिला की घर से संचालित इस कमेटी में पीड़िता के अलावा 23 अन्य महिलाओं ने अपनी रकम जमा की थी। सभी को अपनी जमा रकम मिलने की उम्मीद थी लेकिन कुछ ही दिन पहले आरोपी फरार हो गए। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उनके अलावा 23 अन्य महिलाओं से करीब 50 लाख से ज्यादा की रकम की ठगी की है। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच करते हुए आरोपियों की तलाश कर रही है।

लूट के मामले में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने डकैती और शस्त्र अधिनियम मामलों में वांछित बदमाश शहनवाज को गिरफ्तार किया है। आरोपित को थाना अमन विहार और थाना सुल्तानपुरी में डकैती के तीन मामलों में भगोड़ा घोषित किया हुआ था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम नियमित रूप से वांछित अपराधियों पर काम कर रही थी। इस बीच पुलिस को आरोपित शहनवाज के बारे में पता चला कि वह डकैती के मामले में फरार चल रहा है। आरोपित को कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया हुआ है। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया। पुलिस टीम ने आरोपित के घर व उसके संभावित ठिकाने पर छापेमारी की लेकिन आरोपित नहीं मिला। इस बीच पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि आरोपित छतरपुर इलाके में रह रहा है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने आरोपित को छतरपुर से दबोचा। पूछताछ में पता चला कि आरोपित छतरपुर के बाजार में मजदूरी का काम कर रहा था। वह पहले भी लूट के चार मामलों में शामिल रहा है।

दिल्ली के उपराज्यपाल और नीदरलैंड की राजदूत ने किया एनडीएमसी ट्यूलिप महोत्सव का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और नीदरलैंड की राजदूत मारिसा जेराड्स ने एनडीएमसी ट्यूलिप महोत्सव- 2025 का उद्घाटन किया। दोनों ने ट्यूलिप वॉक में भाग लिया और एनडीएमसी अध्यक्ष केशव चंद्रा और उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल की उपस्थिति में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित शांति पथ में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित ट्यूलिप प्रदर्शनी का भी दौरा किया।

एनडीएमसी ट्यूलिप महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद वी के सक्सेना ने एनडीएमसी के प्रयासों और कड़ी मेहनत से फूलों की देखभाल करने वाले तथा इन फूलों से यहां की खूबसूरती को फैलाने वाले मालियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 3.25 लाख ट्यूलिप लगाए गए हैं। डीडीए के 20 पार्कों में भी इस बार कुछ ट्यूलिप लगाए गए हैं। हिमाचल प्रदेश के पालनपुर में 15 हजार ट्यूलिप भारत में ही विकसित किए गए हैं, जिन्हें नई दिल्ली में भी लगाया गया है। हमारा लक्ष्य अगले चार वर्षों में आयात पर निर्भरता को कम करना है। उन्होंने कहा कि हमें दिल्ली को और अधिक खूबसूरत बनाना है, जिसके लिए ऐसे प्रयास जारी रहेंगे। इस सहयोग के कारण नीदरलैंड के साथ जो मैत्री बनी है, उससे एक ट्यूलिप के पौधे का नाम मैत्री रखा गया है।

इस अवसर पर नीदरलैंड की राजदूत मारिसा जेराड्स ने कहा कि हम अपने दोनों देशों के बीच दोस्ती का उत्सव मनाने के लिए ट्यूलिप लगा रहे हैं। हम देख सकते हैं कि ट्यूलिप उगाने से दिल्ली शहर कितना अच्छा लग रहा है। लेकिन, जाहिर है, ट्यूलिप के अलावा भी बहुत कुछ है, जो हमारे दोनों देशों को एक साथ जोड़ता है। हमारे बीच एक मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध है, जो बहुत पुराना है। हम कृषि, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन और नवाचार जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि हम इन क्षेत्रों में बहुत मजबूत साझेदार हैं।

एनडीएमसी द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इस वर्ष एनडीएमसी ने 3.25 लाख ट्यूलिप बल्ब आयात किए और इनमें से 2.25 लाख खुले स्थान पर लगाए। जिसमें 1.46 लाख ट्यूलिप बल्ब अकेले चाणक्यपुरी क्षेत्र में शांति पथ पर लगाए गए है। भंडारण एवं मल्टीप्लिकेशन के माध्यम से परीक्षण के तौर पर 10,880 बल्ब तैयार किये गये और इन्हें रोपित भी कर दिया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्सेज टेक्नोलॉजी-सीएसआईआर के सहयोग से हिमाचल प्रदेश के पालनपुर में 14735 बल्बों का उत्पादन किया गया और इस ट्यूलिप महोत्सव में रोपण के लिए प्राप्त किया गया।

पहली बार एनडीएमसी ने एक लाख ट्यूलिप फूलों के गमले बनाए हैं और उन्हें शांतिपथ लॉन, लोधी गार्डन, नेहरू पार्क, तालकटोरा गार्डन, सेंट्रल पार्क और एनडीएमसी नर्सरी (सफदरजंग मदरसा, गुरुद्वारा पार्क, पुराना किला रोड आदि) में आम

जनता को उपलब्ध कराने के लिये बिक्री के लिए रखा है। इसके अलावा एनडीएमसी के 1,450 एकड़ के हरे-भरे स्थान को बनाए रखने के प्रयास में नेहरू पार्क, सेंट्रल पार्क, संजय झील, तालकटोरा गार्डन, लोधी गार्डन, 52 राउंडअबाउट, एवेन्यू रोड की हरी पट्टियाँ, कॉलोनी पार्क आदि जैसे प्रमुख पार्क शामिल हैं।

राष्ट्रीय कला मंच आयोजित कर रहा है 'मदारी' का 6वां संस्करण

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय कला मंच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) नीत दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) के माध्यम से अपने तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव मदारी के 6वें संस्करण का आयोजन कर रहा है। इस कार्यक्रम में विभिन्न कलाओं, प्रदर्शनी और भारत की समृद्ध संस्कृति एवं विरासत की सजीव झलक देखने को मिलेगी।

मदारी का 6वां संस्करण 12 से 14 फरवरी तक आर्ट्स फैकल्टी, नॉर्थ कैंपस में आयोजित किया जाएगा। यह मंच, रंगमंच और नुक्कड़ नाटक-टोलियों को सामाजिक मुद्दों पर आधारित कला की प्रस्तुति करने का अवसर प्रदान करेगा। जिनमें साहित्य समाज का दर्पण, महिलाओं का दृष्टिकोण और छात्रों के विचार जैसे विषय शामिल हैं। मदारी के इस संस्करण को तीन प्रमुख खंड में विभाजित किया गया है।

पहले में खिचड़ी- इस खंड में विभिन्न कॉलेज की सांस्कृतिक

समितियां अपनी रचनात्मकता और कला का प्रदर्शन करेंगी। वहीं दूसरा धरोहर- यह खंड भारतीय लोक संस्कृति को कविता, संगीत और नृत्य के माध्यम से जीवंत करेगा। जबकि तीसरा ग्राम्य है-इस खंड में समाज की जमीनी सच्चाइयों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

इस वर्ष मदारी में दिल्ली विश्वविद्यालय के 5000 से अधिक विद्यार्थी सहभागी होंगे। जो प्रदर्शन कला, चित्रकला और नुक्कड़ नाकट के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विजेता टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिनमें प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के आधार पर सम्मानित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महाकुंभ पर आधारित विशेष प्रदर्शनी होगी जो भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करेगी साथ ही प्लास्टिक-मुक्त नीति के तहत पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा, मदारी 2025, जो 12 से 14 फरवरी के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में आयोजित होगा, विद्यार्थियों के लिए अपनी रचनात्मकता और कला को प्रदर्शित करने का एक शानदार मंच है।

एबीवीपी के प्रदेश मंत्री हर्ष अत्री ने कहा, हर वर्ष मदारी एक जीवंत और विविधतापूर्ण सांस्कृतिक संगम बनता जा रहा है। इस बार भी, यह उत्सव प्रदर्शन कला और सामाजिक अभिव्यक्ति में रुचि रखने वाले हजारों छात्रों के लिए समृद्ध अनुभव प्रदान करेगा। इसके साथ ही, इस कार्यक्रम के आयोजन में सिंगल यूज़ प्लास्टिक-मुक्त नीति अपनाकर हम पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने का प्रयास कर रहे हैं।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान पर दंगे से जुड़ी धारा जुड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की ओखला सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पुलिस ने उनपर सरकारी काम में बाधा डालने के साथ दंगे से जुड़ी बीएनएस की धारा भी लगा दी है। सोमवार को हत्या के प्रयास के मामले में एक आरोपित को पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की टीम जामिया इलाके में पहुंची थी लेकिन विधायक बीच में आ गए और आरोपित पुलिस की गिरफ्त से छूटकर फरार हो गया। इसी के चलते सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में अमानतुल्लाह खान व उनके समर्थक के ऊपर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार विधायक पर दंगे से जुड़ी बीएनएस की धारा इसीलिए लगी है क्योंकि उन्होंने भीड़ इकट्ठा की थी। साथ ही आरोप है कि उन्होंने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। इसलिए पुलिस ने बीएनएस की धारा 191(2) और बीएनएस 190 लगाई है। इन धाराओं का मतलब है कि अगर कोई व्यक्ति गैरकानूनी सभा का हिस्सा था और उस सभा के मकसद के तहत कोई अपराध हुआ, तो उस व्यक्ति को भी दोषी माना जाएगा। साथ ही विधायक पर लगी कई धाराएं गैरजमानती हैं। अमानतुल्लाह और उनके समर्थकों पर 191(2)/190/221/121(1)/132/351(3)/263/111 बीएनएस धाराओं में मामला दर्ज हुआ है।

क्या था पूरा मामला

पुलिस के मुताबिक सोमवार दोपहर को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम जामिया नगर में 2018 में हत्या के प्रयास के एक मामले में भगोड़ा घोषित बदमाश को पकड़ने उसके घर पर गई थी। पुलिस ने उसे पकड़ भी लिया था लेकिन उसी समय ओखला से नवनिर्वाचित विधायक अमानतुल्हा खान अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए और आरोपित को पकड़ने का विरोध करने लगे। विधायक के समर्थकों ने मौके पर जमकर हंगामा किया और क्राइम ब्रांच की टीम के साथ धक्का-मुक्की कर आरोपित को मौके से फरार करवा दिया। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार ने बताया कि उक्त मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिलहाल स्थानीय पुलिस के साथ ही जिले की अन्य यूनिट विधायक व उनके समर्थकों की तलाश कर रही है।

दिल्ली के इन 10 विधायकों के साथ जेपी नड्डा ने की बड़ी बैठक, क्या इनमें से कोई बन सकता है सीएम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की 27 साल बाद वापसी की ऐतिहासिक जीत के बाद अगले मुख्यमंत्री को लेकर चर्चा और अटकलों का दौर जारी है। भाजपा में लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। 8 फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों के नतीजों में भाजपा 70 में से 48 सीटों पर विजयी हुई, जबकि आप ने 22 सीटें हासिल कीं और कांग्रेस एक भी सीट जीतने में असफल रही। इस जबरदस्त जीत से एक अहम सवाल खड़ा हो गया है: करीब 30 साल बाद दिल्ली में बीजेपी का मुख्यमंत्री कौन होगा?

अटकलों के बीच अनिल शर्मा, शिखा रॉय, सतीश उपाध्याय, अरविंदर सिंह लवली, विजेंद्र गुप्ता, अजय महावर, रेखा गुप्ता, कपिल मिश्रा, कुलवंत राणा और डॉ अनिल गोयल सहित भाजपा विधायकों ने संसद में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार मुलाकात की। सवाल यह भी है कि क्या इनमें से कोई सीएम बन सकता है? हालांकि, माना जा रहा है कि भाजपा के मुख्यमंत्री को में जाति एक महत्वपूर्ण मानदंड होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में आने वाले सप्ताह में विकास होने की उम्मीद है।

रिपोर्टों से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ इस सप्ताह होने वाले निर्णय में जाति एक भूमिका निभाएगी। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है, 'आरएसएस कई कारकों के आधार पर सुझाव देगा,

जिसमें एक विशेष जाति या समुदाय के मतदाताओं द्वारा भाजपा को दिया गया समर्थन भी शामिल है।' बातचीत में सीएम के अलावा एक संभावित डिप्टी सीएम, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष और मंत्रिपरिषद की संरचना सहित महत्वपूर्ण पदों के लिए नाम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, ब्राह्मण वोटों ने दिल्ली में भाजपा की जीत में योगदान दिया है, इसलिए, समुदाय को निश्चित रूप से किसी न किसी महत्वपूर्ण पद पर समायोजित किया जाएगा। यही स्थिति जाट और पंजाबी मतदाताओं के साथ भी है, और इसलिए सीएम और डिप्टी सीएम भी इन समुदायों से हो सकते हैं।

अब नई मुश्किल में फंस सकते हैं केजरीवाल, एक्शन की तैयारी में एसीबी

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अगले कुछ दिनों में अरविंद केजरीवाल, मुकेश अहलावत और संजय सिंह सहित आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। एसीबी के सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आप विधायकों को तोड़ने का प्रयास करने के आरोपों पर भेजे गए नोटिस का अब तक तीनों नेताओं ने कोई जवाब नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अगर आम आदमी पार्टी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला तो एसीबी अगले कुछ दिनों में अरविंद केजरीवाल, मुकेश अहलावत और संजय सिंह समेत आप नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए दिल्ली पुलिस को पत्र लिखेगी। 7 फरवरी को, दिल्ली के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आम आदमी पार्टी के नेता मुकेश अहलावत को इस आरोप पर नोटिस जारी किया कि भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व हासिल करने की कोशिश कर रही है। एसीबी ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस जारी किया था, जिसमें पार्टी विधायकों को रिश्वत की पेशकश के आरोपों की जांच के लिए उनकी उपस्थिति का अनुरोध किया गया था। नोटिस के अनुसार, इसे गंभीर प्रकृति का माना जा रहा है, जिससे सच्चाई स्थापित करने के लिए एसीबी को तत्काल हस्तक्षेप करना पड़ा। पार्टी के संयोजक से स्वयं उपलब्ध रहने और जानकारी उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया गया। आवश्यक जानकारी उन 16 आप विधायकों के विवरण के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें कथित तौर पर रिश्वत की पेशकश की गई थी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 2024 में चालान से जुटाए 46 करोड़, 5 वर्षों में किस साल सबसे ज्यादा?

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने साल 2024 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालान और नोटिस जारी कर के 46 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि दिल्ली पुलिस ने साल 2024 में 74 लाख से अधिक चालान और नोटिस जारी करके 46 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जमा की है। विभिन्न श्रेणियों में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघनों की संख्या के बारे में एक लिखित सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने 2024 में यातायात उल्लंघन के संबंध में कुल 23.09 लाख चालान और 51.41 लाख नोटिस जारी किए। दिल्ली पुलिस ने इनके जरिए 46.29 करोड़ रुपये जुटाए हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ चालान यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा मौके पर ही जारी किए जाते हैं जबकि नोटिस ट्रैफिक नियमों के अनुपालन के लिए लगाए गए कैमरों के जरिए से ऑनलाइन जारी किए जाते हैं। यदि चालान और नोटिस से जमा की गई रकम के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो बीते पांच वर्षों के दौरान दिल्ली पुलिस ने साल 2020 में सबसे अधिक 213 करोड़ रुपये जुटाए थे। आंकड़े बतलाते हैं कि साल 2020 में दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ 10.99 लाख चालान और 85.94 लाख नोटिस जारी किए थे। दिल्ली पुलिस ने साल 2021 में 13.23 लाख चालान और 66.03 लाख नोटिस जारी कर के 98.45 करोड़ रुपये जुटाए थे। दिल्ली पुलिस ने साल 2022 में 14.69 लाख चालान और 59.87 लाख नोटिस जारी कर के 74.46 करोड़ रुपये जुटाए थे। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने साल 2023 में 17.26 लाख चालान और 56.53 लाख नोटिस जारी कर के 40.31 करोड़ रुपये जुटाए थे। दिल्ली पुलिस की मानें तो राष्ट्रीय राजधानी में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन में बढ़ोतरी के पीछे मुख्य वजह वाहनों की संख्या बढ़ना और यात्रियों में जागरूकता की कमी है। साथ ही दिल्ली पुलिस की ओर से नियमों का अनुपालन कराए जाने को लेकर बरती जाने वाली सख्ती भी है।

बीजेपी के वे छुपा रुस्तम, 2 साल के होमवर्क से ढहाया केजरीवाल का किला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने आखिर वह करिश्मा कर दिखाया, जिसकी कोशिश में वह पिछले 27 सालों से लगी थी। दो दशक से भगवा रथ आकर दिल्ली में थम जाता था। 27 साल से दिल्ली में वनवास पर थी। दिल्ली चुनाव में भाजपा ने बंपर जीत हासिल की है। पार्टी ने 48 सीट जीतकर आम आदमी पार्टी के लगातार चौथी बार सरकार बनाने के सपनों पर भी पानी फेर दिया। भाजपा की जीत में जहां एक ओर पीएम मोदी को श्रेय दिया जाता है, वहीं पार्टी की चुनावी रणनीति भी इसमें कारगर रही। आदमी पार्टी के किले में सेंध लगाने के लिए बीजेपी ने इस बार चुनाव का इंतजार नहीं किया बल्कि उसने लगभग 2 साल पहले ही चुनाव के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी थी पार्टी ने अलग-अलग स्तरों पर कई टीम में भी बने जिन्होंने पार्टी के रणनीति पर अमल शुरू किया।

उम्मीदवारों की पहचान से लेकर मुद्दों को शॉर्टलिस्ट करने तक

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और केंद्रपाड़ा से सांसद बैजयंत, जिन्हें जय पांडा के नाम से भी जाना जाता है। उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का पार्टी को फायदा मिला। बीजद प्रमुख नवीन पटनायक के साथ मतभेदों के बाद 2019 में बीजू जनता दल (बीजेडी) से भाजपा में शामिल हुए पांडा ने दिल्ली चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी के रूप में कार्य किया। पार्टी की जीत का श्रेय आंशिक रूप से उनकी कड़ी मेहनत और संगठनात्मक कौशल को दिया जा रहा है। पार्टी में उम्मीदवारों की पहचान करने से लेकर मुद्दों को शॉर्टलिस्ट करने की जिम्मेदारी निभाई। पटियाला कमान और प्रदेश इकाई के बीच ताजमहल बनाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने ही प्रदेश के अलग-अलग यूनिटों के कामकाज की निगरानी भी की। पांडा 2022 में भाजपा के दिल्ली नगर निगम चुनाव अभियान के दौरान भी प्रभारी थे।

सचदेवा ने पार्टी को रखा एकजुट

संघ परिवार के वफादार वीरेंद्र सचदेवा को दिल्ली नगर निगम में पार्टी की करारी हार के बाद पहले कार्यकारी और फिर पूरी तरह से प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप गई थी। सचदेवा ने आप सरकार को खेलने की तैयारी तो की साथी पार्टी में चल रही गुटबाजी को कंट्रोल करने में भी अहम भूमिका निभाई जिसका नतीजा यह रहा की एकजुट होकर चुनावी मैदान में बीजेपी उतरी। इससे पहले उनकी अगवाई में ही झुकी झोपड़िया में अपना जन आधार बढ़ाने के लिए अभियान शुरू किया गया।

सर्विलांस टीम को किया दुरुस्त

बीएल संतोष पार्टी कैसे नेतृत्व के निर्देश पर दिल्ली में बाकायदा निगरानी सिस्टम को दुरुस्त किया। साथी यह भी सुनिश्चित किया कि दिल्ली में आरएसएस की टीमों पूरी ताकत से काम करें। इसके साथ दिल्ली में छिटक गए बीजेपी के पुराने वोटर को भी साथ लाया जाए।

मैनिफेस्टो को दिया आकार

दिल्ली में मेनिफेस्टो तैयार करने में रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मुख्य भूमिका निभाई। इससे पहले बीजेपी ने मुक्ति योजनाओं पर उसे तरह से आक्रामक प्रचार नहीं किया जैसा इस बार किया गया। उन्होंने मेनिफेस्टो बनाने के लिए कमेटी के अन्य सदस्यों के साथ ऐसी योजनाओं को शामिल किया जिसकी वजह से आपको टक्कर दी जा सके। इनमें महिला सम्मान योजना के तहत ढाई हजार रुपए देना भी शामिल है।

क्लस्टर्स में बांट नेताओं को सौंपी जिम्मेदारी

संगठन मंत्री पवन राणा को लगभग 2 साल पहले ही दिल्ली संगठन की जिम्मेदारी मिली थी। राणा ने दिल्ली को छोटे-छोटे हिस्सों में बताकर नेताओं को जिम्मेदारी दी और यह सुनिश्चित किया कि अगर कहीं कार्यकर्ता की नाराजगी है तो उसे दूर किया जाए। एकजुट किया जाए ताकि उनके अंदर उत्साह की कमी ना हो और पार्टी को बूथ लेवल पर किसी तरह का नुकसान न पहुंचे।

कांग्रेस नेता ग्यासुद्दीन शेख का विवादित बयान, भाजपा के मुस्लिम उम्मीदवारों को बताया धर्म विरोधी

पाटण। गुजरात में होनेवाले स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस समेत राजनीतिक दल जोर-शोर से प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में कांग्रेस के नेता ग्यासुद्दीन शेख ने विवादित बयान दिया है। ग्यासुद्दीन शेख ने यह बयान पाटण जिले के राधनपुर में प्रचार के दौरान दिया। उन्होंने भाजपा के मुस्लिम उम्मीदवारों को धर्म विरोधी बताया। ग्यासुद्दीन शेख ने कहा कि भाजपा से फॉर्म उसी ने भरा है जिनका जमीर मर गया है। जिनका जमीर बिक गया है उसे ही भाजपा से फॉर्म भरना चाहिए। जिनका ईमान जिंदा है वह भाजपा का उम्मीदवार नहीं होगा। जिसे सांप्रदायिक एकता में विश्वास रखता है उसे भाजपा के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। इसके साथ ही ग्यासुद्दीन शेख ने भाजपा पर हिन्दू-मुसलमानों को लड़ाने और नफरत फैलाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि हर दिन भाजपा बड़े भाई हिंदू समाज के खिलाफ संघर्ष खड़ा करने की कोशिश कर रही है। भाजपा हिंदुओं और मुसलमानों के बीच झगड़े पैदा करने की भी कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ग्यासुद्दीन शेख के इस बयान से विवाद पैदा हो गया है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में परिवादी से जिरह पूरी, 24 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

सुलतानपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में मंगलवार परिवादी से बचाव पक्ष की जिरह पूरी हो गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में बचाव पक्ष ने परिवादी विजय मिश्र से जिरह पूरी कर ली है। कोर्ट ने शेष साक्ष्य की सुनवाई के लिए 24 फरवरी की तारीख नियत कर दी है। बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। मामले में अगली नियत तारीख पर परिवादी के अन्य गवाहों का साक्ष्य होगा।

रणवीर के अश्लील जोक्स' पर गुस्साए कॉमेडियन सुनील पाल, इनके साथ आंतकवादियों जैसे व्यवहार होना चाहिए

मुंबई । समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर अलाहाबादिया के अश्लील जोक्स' का मामला बढ़ता जा रहा है। इस मामले पर 'द केरल स्टोरी' के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने अपनी राय रखी है। सेन ने घटना पर अपनी चिंता व्यक्त कर प्लेटफॉर्म का गलत इस्तेमाल बताने के साथ उनकी आलोचना की। सुदीप्तो ने कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ आती है। भारत में अभी भी बड़ी संख्या में इसतरह के लोग हैं, जो ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं। इसके बाद उन शिक्षित लोगों को इसतरह के मामलों में सचेत रहना चाहिए। सार्वजनिक रूप से इसतरह के विषयों पर चर्चा करना आधुनिकता के दायरे में नहीं आता है। वहीं कॉमेडियन सुनील पाल ने भी साथी कॉमेडियन समय और पॉडकास्टर रणवीर के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में 'अश्लील जोक्स' पर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुनील ने कहा, उन्हें स्टैंड-अप कॉमेडियन न कहें। यह वास्तविक स्टैंड-अप कॉमेडी का अपमान होगा। वे अशिक्षित व्यक्ति हैं, जिनके साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने कहा, ५आज की युवा पीढ़ी जिम्मेदार और सुसंस्कृत व्यक्ति बनने की कोशिश कर रही है। हालांकि, इन तथाकथित कॉमेडियन को सार्वजनिक मंचों पर आमंत्रित किया जाता है, जहां वे अश्लीलता और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं और विडंबना यह है कि इन कार्यक्रमों के आयोजक पढ़े-लिखे लोग हैं। सार्थक संदेश देने के बजाय, वे अश्लीलता को बढ़ावा दे रहे हैं।

जम्मू के अखनूर सेक्टर में आईईडी विस्फोट, सेना के 2 जवान शहीद

जम्मू। भारतीय सेना ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) फटने से कम से कम दो सैनिकों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। यह धमाका दोपहर साढ़े तीन बजे एलओसी के पास हुआ जहां सेना के जवान गश्त अभियान चला रहे थे। विस्फोट के बाद, नियंत्रण रेखा पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू करने के लिए और अधिक सैनिकों को तैनात किया गया है। एक घायल सैनिक को इलाज के लिए हवाई मार्ग से नजदीकी सेना अस्पताल ले जाया गया है। एक एक्स पोस्ट में व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने कहा कि इलाके में सेना का दबदबा है और तलाशी अभियान जारी है। इसमें कहा गया कि अखनूर सेक्टर के लालेली में बाड़ पर गश्त के दौरान संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस विस्फोट की सूचना मिली, जिसके परिणामस्वरूप कथित तौर पर दो लोगों की मौत हो गई। हमारे अपने सैनिक इलाके पर हावी हैं और तलाशी अभियान जारी है। व्हाइट नाइट कोर दो वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता है और श्रद्धांजलि देता है।

हम धर्म और पैसा बांटने की नहीं, काम की राजनीति करते हैं : भगवंत मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा पंजाब के विधायकों की बुलाई गई मीटिंग के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मीडिया से बातचीत करते हुए आगे की रणनीति बताई। उन्होंने कहा कि हम अब दिल्ली में मिले अनुभव का इस्तेमाल पंजाब में करेंगे।

उन्होंने कहा, 'हार-जीत चलती रहती है, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। अब हम दिल्ली का अनुभव पंजाब में भी लागू करेंगे। हमने मोहल्ला क्लिनिक, जिसे पंजाब में 'आम आदमी क्लिनिक' कहा जाता है, को खोलने पर जोर दिया है। हम पहले ही 850 से ज्यादा क्लिनिक स्थापित कर चुके हैं। अस्पतालों का कायाकल्प हो चुका है, स्कूल ऑफ एमिनेंस बनकर तैयार हैं और सरकारी स्कूलों के बच्चे अब बड़े-बड़े प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। हमें एक साथ काम करना है, क्योंकि हमारी पार्टी काम के नाम पर जानी जाती है। हम न तो किसी धर्म की राजनीति

करते हैं, न ही गुंडागर्दी या पैसा बांटने की राजनीति। दिल्ली के लोगों का जो फैसला है, वह हमारे लिए सर्वोपरि है। मंगलवार को सारी दिल्ली की टीम यहां इकट्ठी हो गई है।' उन्होंने कहा, 'हमने एक प्रण लिया है कि हम पंजाब को अगले दो सालों में ऐसा बनाएंगे कि पूरे देश के लिए यह एक मॉडल राज्य बन जाए। चाहे शहरों की तरक्की हो, गांवों की, व्यापार में या दुकानदारों और किसानों के लिए, हम पंजाब को एक ऐसा मॉडल राज्य बनाएंगे जिसे सब देखें। हमें उम्मीद है कि हमारे वॉलंटियर और कार्यकर्ता बहुत समर्पित हैं, वे किसी लालच के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए काम करते हैं। पंजाब हमेशा से ही हर लड़ाई में सबसे आगे रहा है, चाहे आजादी की लड़ाई हो या हरित क्रांति का समय। आम आदमी पार्टी के पहले चार सांसद भी पंजाब से आए थे। हम पहले भी काम करते रहे हैं, हम ग्राउंड से उठे हुए लोग हैं, हमारे पिता या दादा कोई बड़े मंत्री या उद्योगपति नहीं थे।'

उन्होंने कहा, 'हमें लोगों का दिल जीतना है और पंजाब में खेलों से लेकर व्यापार तक, हमने बहुत सारे व्यापारियों का विश्वास जीता है। बड़ी-बड़ी कंपनियां जैसे टाटा स्टील, ग्रासिम पेंट्स, सनातन टेक्सटाइल्स, यहां निवेश करना शुरू कर चुकी हैं। हमने तीन सालों में पचास हजार से ज्यादा नौकरियां भी विभिन्न विभागों में दी हैं, ताकि लोगों को रोजगार मिल सके।'

केजरीवाल के शीशमहल को लेकर बीजेपी विधायक ने एलजी से की शिकायत

नई दिल्ली। दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक विजेंदर गुप्ता ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से शीशमहल में मिलाई गई संपत्तियों को अलग करने की मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि कई ऐसी प्रापर्टी थीं जो अधिकारियों और बाकी लोगों के रहने के लिए थी। केजरीवाल ने 6 फ्लैग स्टाफ रोड को 10 से 50 हजार गज बनाने के लिए इसमें मर्ज (मिला) कर लिया था। बीजेपी विधायक गुप्ता ने कहा, मैंने मांग की है कि शीश महल में विलय की गई संपत्तियों को अलग करना चाहिए। पिछली आप सरकार में दिल्ली के अधिकारियों की 10 संपत्तियों का विलय किया गया। केजरीवाल ने इस 10,000 गज से 50,000 गज की संपत्ति में बदल दिया। बीजेपी विधायक ने मांग की है कि एलजी इन संपत्तियों को अलग करें। इसमें जो तमाम संपत्तियां हैं उन्हें रीस्टोर किया जाए। दिल्ली सरकार के पास जो सरकारी निवास की दिक्कत रहती है, जिसे आम आदमी पार्टी ने बढ़ा दिया था। उन्हें वापस पूल में लाया जाए। इसके पहले उन्होंने उपराज्यपाल सक्सेना से चार संपत्तियों का 'शीशमहल' के साथ विलय रद्द करने का अनुरोध किया था। भाजपा ने 'शीशमहल' का इस्तेमाल हालिया विधानसभा चुनाव के दौरान अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार के मुद्दों पर घेरने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में किया। गुप्ता ने कहा कि बंगले का विस्तार चार सरकारी संपत्तियों को मिलाकर किया गया है और उन्होंने उन संपत्तियों के विलय को रद्द करने के लिए उपराज्यपाल सक्सेना को एक पत्र लिखा है।

ईवीएम से डेटा डिलीट न करें, चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से उस याचिका पर 15 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है, जिसमें पोल पैनल को ईवीएम की जली हुई मेमोरी की जांच और सत्यापन को उनकी मानक संचालन प्रक्रियाओं में शामिल करने का निर्देश देने की मांग की गई है। कृपया डेटा मिटाएं नहीं और डेटा पुनः लोड करें। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि किसी को जांच करने दीजिए। आवेदन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा दायर किया गया था। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने बुधवार को मामले की सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान, एडीआर की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि हम मांग कर रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार ईसीआई को जो प्रक्रिया अपनाने की जरूरत है वह उनके मानक ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल के अनुरूप हो। हम जो चाहते हैं वह यह है कि किसी को ईवीएम के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की जांच करनी चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में हेरफेर का कोई तत्व है या नहीं।

मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने पूछा कि एक बार वोट गिने जाने के बाद क्या पेपर ट्रेल वहीं रहेगा या निकाल लिया जाएगा? भूषण ने जवाब दिया, उन्हें ईवीएम को भी बचाना चाहिए, पेपर ट्रेल को भी बचाना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने अपने पहले के आदेश को स्पष्ट करते हुए कहा कि हम नहीं चाहते थे कि गिनती तक कोई गड़बड़ी हो (पहले के आदेश के माध्यम से) साथ ही, हम चाहते थे (देखें) कि क्या किसी को कोई संदेह है। हम नहीं चाहते थे कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जाए, हम चाहते थे कि शायद इंजीनियरिंग यह बता सके कि क्या कोई छेड़छाड़ हुई है। इसके बाद अदालत ने चुनाव आयोग को अगले 15 दिनों में याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

दिल्ली में लगातार हार के चलते कांग्रेस ब्लाक से लेकर प्रदेश स्तर तक करेगी बदलाव

-युवा और समर्पित कार्यकर्ताओं को देगी तवज्जो, निष्क्रिय प्रकोष्ठों को करेगी सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगातार तीन बार से एक भी सीट हासिल नहीं करने वाली कांग्रेस जल्द ही दिल्ली में संगठन का पुनर्गठन करने वाली है। ब्लाक और जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक बदलाव किया जाएगा। वहीं, इस बदलाव में युवाओं व पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं को खास तवज्जो दी जाएगी। इसके अलावा पार्टी के तमाम निष्क्रिय प्रकोष्ठों को सक्रिय किया जाएगा।

दरअसल हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गंभीरता से मंथन करने के बाद प्रदेश नेतृत्व अब पार्टी हित में कई कठोर फैसले लेने के पक्ष में है। इस दिशा में अनुशासन का दायरा बढ़ाते हुए पार्टी नेताओं की उस बयानबाजी पर भी रोक लगाई जाएगी, जिससे पार्टी की छवि खराब होती है। हाल ही में नई दिल्ली से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित और चांदनी चौक से प्रत्याशी मुदित अग्रवाल की बयानबाजी पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई। इसके अलावा अगले चुनाव के लिए पार्टी बूथ स्तर पर भी अभी से मेहनत शुरू करने की रणनीति बना रही है।

बता दें पार्टी इस बार विधानसभा चुनाव के परिणाम में कई सकारात्मक पहलू देख रही है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि इस बार कांग्रेस ने मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया था। कई सीटों पर पार्टी का मत प्रतिशत काफी अच्छा रहा है। पार्टी का मानना है कि लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यक और मुस्लिमों का वोट जहां कांग्रेस को मिला था, वहीं इस बार आप के पास केवल इसलिए चला गया क्योंकि कांग्रेस उसको सरकार बनाने का भरोसा नहीं दिला पाई।

पार्टी को उम्मीद है कि अगले चुनाव में आप के कमजोर हो जाने पर इस वर्ग का पूरा वोट कांग्रेस के पास आएगा। तब कांग्रेस के खाते में सीटें भी आ जाएंगी। पार्टी में काजी निजामुद्दीन और दानिश अबरार ही नहीं बल्कि ऐसे प्रभारी-सह प्रभारी चाहिए जो संगठन की मजबूती के लिए भी कुछ काम करें। कट वितरण में किसी भी सीट पर पूर्व विधायक या उसके परिवार का अधिकार नहीं माना जाना चाहिए। ऐसा होने पर कार्यकर्ता काम ही करना छोड़ देंगे। वा दल को आरएसएस की तरह पार्टी के लिए काम करने वाली एक मजबूत शाखा बनाया जाना चाहिए। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि पार्टी में कई स्तरों पर मेहनत और सुधार करने की जरूरत है। इस बार हमने कमजोर होती पार्टी की नींव को मजबूत किया है। अब इस पर मजबूत इमारत खड़ी की जाएगी। आलाकमान से राय मशविरा कर पार्टी अपनी तमाम खामियों को दूर करते हुए अगले चुनाव में बीजेपी से सीधा मुकाबला करेगी और कई सीटें भी जीतेगी।

महाकुंभ जाने वाली ट्रेन में चढ़ने में असमर्थ यात्रियों ने एसी डिब्बे में की तोडफ़ोड़

- समस्तीपुर जिले में भी ट्रेन पर हुआ था पथराव

- भीड़ के सामने असहाय नजर आती है रेल पुलिस

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुस्साए यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव किया। जिससे ट्रेन में बैठे यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया और वहां दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में महाकुंभ मेले में जा रहे यात्रियों ने स्वतंत्रता सेनानी सुपर फास्ट एक्सप्रेस की खिड़कियां तोड़ दीं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें दिख रहा है कि ट्रेन में नहीं चढ़ पाने से निराश यात्री हुड़दंग मचाते हुए ट्रेन पर पत्थर फेंक रहे हैं और एसी कोच की खिड़कियां तोड़ते नजर आ रहे हैं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया। बिहार के जयनगर से प्रयागराज होते हुए नई दिल्ली जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी सुपर फास्ट एक्सप्रेस जैसे ही मधुबनी रेलवे स्टेशन पर पहुंची, प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ खड़ी नजर आई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेन में पहले से ही इतनी भीड़ थी कि दरवाजे खोलना असंभव था। ट्रेन का इंतजार कर रहे और ट्रेन के अंदर बैठे कई यात्री महाकुंभ मेले के लिए प्रयागराज जा रहे थे। वीडियो में दो महिलाएं ट्रेन के एसी कोच में बैठी नजर आ रही हैं। इसी दौरान बाहर खड़े एक यात्री ने खिड़की का शीशा तोड़ दिया। इस दौरान खिड़की के पास बैठी दोनों महिलाएं डर के मारे चीख रही हैं। एक अन्य वीडियो में ट्रेन की टूटी हुई खिड़कियां दिखाई गई हैं। ट्रेन में सवार यात्री पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर रहे थे। यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया है कि जब यह सब हुआ तब रेलवे स्टेशन पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। घटना के बाद यह ट्रेन मधुबनी स्टेशन पर एक घंटे तक रुकी रही। बाद में इसे बिना किसी मरम्मत के आगे भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाद में रेलवे पुलिस ने हंगामा कर रहे कई यात्रियों को हिरासत में लिया। लेकिन भीड़ इतनी थी कि भीड़ के सामने रेल पुलिस असहाय नजर आ रही थी।

समस्तीपुर जिले में भी ट्रेन पर हुआ था पथराव

इससे पहले बिहार के समस्तीपुर जिले में गुरुवार रात स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। ट्रेन पर जब हमला हुआ, तब वह मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर मार्ग पर जयनगर से दिल्ली जा रही थी। इससे यात्रियों में दहशत फैल गई और ट्रेन को मामूली क्षति पहुंची। कुछ यात्री घायल हो गए, जिनका समस्तीपुर के एक अस्पताल में इलाज किया गया, जबकि पेंट्री कार और उसके बगल के कोचों की खिड़कियां टूट गईं। स्लीपर कोचों पर भी पत्थर फेंके गए। समस्तीपुर रेलवे पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि पत्थर क्यों फेंके गए।

मणिपुर विधानसभा का सत्र रद्द किया गया क्योंकि भाजपा नया मुख्यमंत्री तय नहीं कर सकी: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि मणिपुर विधानसभा का प्रस्तावित सत्र रद्द कर दिया गया क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नया मुख्यमंत्री तय नहीं कर सकी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि राज्यपाल अजय कुमार भल्ला विधानसभा का सत्र नहीं बुलाकर अनुच्छेद 174(1) का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं? मणिपुर में 10 फरवरी से शुरू होने वाले 12वीं विधानसभा के सातवें सत्र को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। विधानसभा सचिव के. मेघजीत सिंह द्वारा रविवार को जारी एक नोटिस से यह जानकारी मिली। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मणिपुर विधानसभा के सत्र की संवैधानिक रूप से अनिवार्य बैठक का आज आखिरी दिन

है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 (1) में प्रावधान है कि विधानसभा सत्र की अंतिम बैठक और अगले विधानसभा सत्र की पहली बैठक के बीच छह महीने से अधिक का अंतर नहीं हो सकता है।'' उन्होंने सवाल किया, ''मणिपुर के राज्यपाल अपने संवैधानिक रूप से अनिवार्य विधानसभा सत्र के लिए मणिपुर विधानसभा की बैठक को न बुलाकर अनुच्छेद 174(1) का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं?'' रमेश ने दावा किया कि सत्र को अमान्य घोषित कर दिया गया क्योंकि भाजपा मुख्यमंत्री के उत्तराधिकारी की नियुक्ति नहीं कर सकी जिसके खिलाफ कांग्रेस कल अविश्वास प्रस्ताव लाने वाली थी, जिसके कारण रविवार रात मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

अब संस्कृत, उर्दू समेत छह और भाषाओं में होगा लोकसभा की कार्यवाही का भाषा रूपांतरण

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि अब संस्कृत, उर्दू तथा मैथिली समेत छह और भाषाओं में सदन की कार्यवाही का भाषा रूपांतरण होगा। सदन की कार्यवाही का भाषा रूपांतरण पहले अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 10 क्षेत्रीय भाषाओं में हो रहा था। बिरला ने कहा कि उनका प्रयास है कि मान्यताप्राप्त सभी 22 भाषाओं में सदन की कार्यवाही का रूपांतरण एक साथ हो। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन की उपलब्धता होने के साथ ही यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा।

साइबर अपराध रोकने के लिए एआई का इस्तेमाल कर म्यूल अकाउंट्स की पहचान की योजना बना रही सरकार : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार साइबर अपराध को रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर म्यूल अकाउंट्स की पहचान करने की योजना बना रही है।

गृहमंत्री शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में 'साइबर सुरक्षा एवं साइबर अपराध' विषय पर गृह मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अमित शाह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और रिज़र्व बैंक तथा अन्य सभी बैंकों के साथ समन्वय से म्यूल अकाउंट्स की पहचान की व्यवस्था बनाने के लिए प्रयास जारी है। म्यूल अकाउंट को ऑपरेट होने से पहले ही बंद करने की व्यवस्था भी की जाएगी। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'रुकें, सोचें और फिर कार्रवाई करें' के मंत्र के बारे में जानकारी देकर उन्हें साइबर अपराधों के प्रति सतर्क किया जा सके।

गृहमंत्री ने कहा कि आई4सी पोर्टल पर कुल 1 लाख 43 हजार एफआईआर दर्ज की गई हैं और 19 करोड़ से अधिक लोगों ने इस पोर्टल का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से 805 'ऐप्स' और 3266 वेबसाइट-लिंक को आई4सी की सिफारिश पर ब्लॉक किया गया है। इसके अलावा 399 बैंक और वित्तीय मध्यस्थ ऑनबोर्ड हो चुके हैं। साथ ही 6 लाख से अधिक संदिग्ध डेटा साझा किया गया, 19 लाख से अधिक म्यूल खाते पकड़े गए और 2038 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन रोके गए हैं।उल्लेखनीय है कि म्यूल अकाउंट- धोखाधड़ी के जरिए कमाए गए पैसे को ठिकाने लगाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला बैंक खाते को कहते हैं।

अमित शाह ने कहा कि आज भारत दुनिया में डिजिटल परिदृश्य के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत की कुल अर्थव्यवस्था में डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान 20 प्रतिशत है। गृह मंत्रालय का लक्ष्य साइबर अपराध के मामलों और उनकी एफआईआर को शून्य करना है। साइबर अपराध से निपटने के लिए हमने चार प्रकार की रणनीति अपनाई है, जिसमें अभिसरण, समन्वय, संचार और क्षमता शामिल है। इन सभी को स्पष्ट उद्देश्यों और रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ लागू किया जा रहा है। गृह मंत्रालय के भीतर अंतर-मंत्रालयी और अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत किया गया है, जिससे निर्बाध संचार और सूचना का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हुआ है।

शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, सीईआरटी-आईएन, आई4सी और दूरसंचार और बैंकिंग जैसे विभागों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान की स्वस्थ परंपरा के कारण कई साइबर अपराध मामलों से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिली है। गृहमंत्री ने साइबर अपराध को रोकने के लिए जनता के बीच जागरुकता बढ़ाने के महत्व पर बल दिया और

समिति के सभी सदस्यों से आई4सी हेल्पलाइन नंबर 1930 का प्रचार करने का अनुरोध किया। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मद्देनजर, '1930' हेल्पलाइन कार्ड ब्लॉक करने जैसी विभिन्न सेवाओं की पेशकश करते हुए एक-बिंदु समाधान प्रदान करती है।

अमित शाह ने कहा कि 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में साइबर अपराध फोरेंसिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। साइट्रेन प्लेटफॉर्म, जो कि एक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) प्लेटफॉर्म है, पर 101,561 पुलिस अधिकारियों ने पंजीकरण कराया है और 78,000 से अधिक प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। बैठक में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय एवं बंदी संजय कुमार, समिति के सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

फिजियोथैरेपी वक्त की मांग

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फ्रैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्टेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में टेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

कराटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफैंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

विजय देवरकोंडा की वीडी 12 के लिए रणबीर कपूर ने दिया वॉयस ओवर

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर का नाम साउथ स्टार विजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म 'वीडी 12' से जुड़ गया है। दरअसल, अभिनेता ने इस फिल्म के लिए वॉयस ओवर दिया है। खास बात यह है कि रणबीर कपूर ने इस फिल्म के टीजर की रिकॉर्डिंग मुंबई में की जो अब चर्चा का विषय बन गया है।

मुंबई में हुई रिकॉर्डिंग

एक इंडस्ट्री सूत्र ने इस बार में कहा, विजय देवरकोंडा अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वीडी 12' रिलीज के लिए तैयार हैं। इस फिल्म के टीजर के लिए रणबीर कपूर ने वॉयस ओवर दिया है, जिसकी रिकॉर्डिंग मुंबई में हुई।

इस फिल्म में आखिरी बार पर्दे पर दिखे थे विजय

फिल्म का टीजर 12 फरवरी को रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में विजय देवरकोंडा की भूमिका को लेकर फैंस में जबर्दस्त उत्साह है। विजय देवरकोंडा को आखिरी बार निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में विशिष्ट रोल में देखा गया था। फिल्म में उनकी भूमिका की खूब चर्चा हुई थी।

एनिमल में नजर आए थे रणबीर

वहीं, रणबीर कपूर की बात करें तो वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद रणबीर के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं।

इन बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं रणबीर

वह नितेश तिवारी की रामायण में भगवान राम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी भी होंगी, जो माता सीता का किरदार निभाती दिखेंगी। इसके अलावा रणबीर कपूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में भी दिखाई देंगे, जहां वह अपनी पत्नी आलिया भट्ट और संजू के सह-कलाकार विकी कौशल के साथ काम करेंगे।

करीना-प्रियंका से लेकर पत्रलेखा तक, प्रोड्यूसर की कुर्सी पर भी इन अदाकाराओं का कब्जा

हाल ही में नेटफ्लिक्स ने अपने इस साल के प्रोजेक्ट्स का एलान किया। इनमें राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा अभिनीत फिल्म टोस्टर भी शामिल है। इस फिल्म को राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा प्रोड्यूस कर रही हैं। सिनेमा की दुनिया में फिल्म निर्माण की कमान अब महिलाएं भी अपने हाथों में लेने लगी हैं। कई चर्चित अभिनेत्रियां भी बतौर निर्माता कुर्सी संभाल चुकी हैं और संभाल रही हैं। आइए जानते हैं..

करीना कपूर

कपूर खानदान की लाडली करीना कपूर ने फिल्म रिफ्यूजी से अभिनय की दुनिया में दस्तक दी। इसके बाद कई फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। अब वे बतौर निर्माता भी डेब्यू कर चुकी हैं। करीना कपूर खान ने फिल्म द बकिंघम मर्डर्स से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया। यह फिल्म 13 सितंबर, 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को करीना कपूर खान और एकता कपूर ने मिलकर प्रोड्यूस किया था। हंसल मेहता ने इसका निर्देशन किया।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आती हैं। एक्ट्रेस फिल्मों में काम करने के साथ एक प्रोडक्शन हाउस भी चलाती हैं। वह पर्पल पेबल पिक्चर्स प्रोडक्शन हाउस की मालकिन हैं। उन्होंने इसकी शुरुआत साल 2015 में की थी। अभी तक इस प्रोडक्शन हाउस के अंडर तमाम फिल्में तैयार की जा चुकी हैं। इस लिस्ट में मराठी, बंगाली, पंजाबी और भोजपुरी भाषा की फिल्में भी शामिल हैं।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का शर्मा एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। उन्होंने बॉलीवुड में कई बेहतरीन और हिट फिल्में की हैं। वहीं, अनुष्का शर्मा ने भी अपने भाई कर्णेश शर्मा के साथ मिलकर क्लीन स्लेट फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी। इस प्रोडक्शन हाउस के अंडर कई फिल्में तैयार की जा चुकी हैं, जिसमें से ज्यादातर फिल्मों में अनुष्का ने अभिनय किया है। इन फिल्मों में एन एच 10, परी, फिल्लौरी, जैसी फिल्में शामिल हैं। अनुष्का के प्रोडक्शन हाउस में वेब सीरीज भी बनी हैं।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण ने साल 2018 में केए एंटरटेनमेंट नाम प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने एसिड अटैक के ऊपर फिल्म छपाक तैयार की थी। इस फिल्म में दीपिका ने मुख्य किरदार अदा किया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह से फ्लॉप रही थी।

कंगना रणौत

कंगना रणौत बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं। वह किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है। एक्ट्रेस ने साल 2021 में मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी। उन्होंने इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत नए कलाकारों को मौका देने के लिए की थी।

आलिया, तापसी और कृति

आलिया भट्ट ने भी साल 2021 में एटरनल सनशाइन प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत की थी, जिसकी शुरुआत पर एक्ट्रेस काफी खुश हैं। तापसी पन्नू भी इस लिस्ट में शामिल हैं। उन्होंने भी आउटसाइडर्स फिल्म्स नामक प्रोडक्शन हाउस की शुरुआती की थी। एक्ट्रेस ने भी इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत नए कलाकारों को मौका देने के लिए की थी, जिन लोगों का इंडस्ट्री में कोई भी गॉडफादर नहीं है और लंबे वक्त से स्ट्रगल कर रहे हैं। इसके अलावा कृति सेनन भी लिस्ट में हैं।

क्या 20 करोड़ रुपये फीस चार्ज करते हैं जयदीप अहलावत?

'पाताल लोक 2' वेब सीरीज में इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी के रूप में शानदार अभिनय निभाने की वजह से चर्चा में रहने वाले अभिनेता जयदीप अहलावत। आजकल एक और कारणों से लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, एक रिपोर्ट से यह सामने आया कि जयदीप ने अपनी फीस 50 गुना बढ़ाकर 20 करोड़ कर दी थी।

क्या 20 करोड़ रुपये फीस लेते हैं जयदीप अहलावत?

हाल ही में जयदीप अहलावत अभिनीत वेब सीरीज पाताल लोक 2 ओटीटी पर रिलीज की गई है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि जयदीप ने पाताल लोक के दूसरे सीजन में अपनी फीस को 50 गुना बढ़ाकर 40 लाख से 20 करोड़ रुपये कर दिए हैं। इस पर बात करते हुए उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट में हंसते हुए बताया कि अगर इतना पैसा था तो आपको बताना चाहिए था, इसका उपयोग कर लेता। कहां गया ये पैसा। एक अन्य रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि पाताल लोक के दूसरे सीजन में उनकी फीस ज्यादा थी, क्योंकि समय के साथ आपका पैसा बढ़ता है। वैसे भी पाताल का पहला सीजन 2020 में आया था, जिसके ढाई साल बाद पाताल लोक 2 की शूटिंग शुरू हुई थी।

पाताल लोक 2 ओटीटी पर मौजूद

जयदीप अहलावत की चर्चित वेब सीरीज पाताल लोक का दूसरा सीजन आ चुका है, बीते 17 जनवरी को इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया था। इस सीरीज में जयदीप के साथ तिलोत्तमा शोम, जाह्नु बरुआ, नागेश कुकुनूर और प्रशांत तमांग भी शामिल हैं।

जयदीप अहलावत का वर्क फ्रंट

जयदीप अहलावत के वर्क फ्रंट की बात करें तो मौजूदा समय में वह अपनी सीरीज पाताल लोक के सीजन 2 की सफलता का आनंद ले रहे हैं। अपनी आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, उन्होंने बताया, मैंने सैफ के साथ एक फिल्म की, ज्वेल थीफ, मैंने विपुल अमृतलाल शाह के साथ, हिसाब की। जयदीप फैमिली मैन 3 में भी नजर आएंगे।

अखंड 2 में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे आदि पिनिसेट्टी

बालकृष्ण का दुश्मन मिला गया यह अभिनेता मचाएगा खलनायक की भूमिका में कोहराम नंदमुरी बालकृष्ण अभिनीत अखंड बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी। अब निर्देशक बोयापति और सुपरस्टार बालकृष्ण अखंड 2 की तैयारी में लगे हुए हैं। इस फिल्म में कई कलाकार जुड़ रहे हैं, जिस कड़ी में आज इस फिल्म के खलनायक का नाम सामने आया है। 25 सितंबर 2025 को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसके लिए सारे निर्देशक, निर्माता इसकी मेकिंग में व्यस्त हैं। अखंड फिल्म में बतौर अभिनेत्री काम करने वाली प्रज्ञा अब अखंड 2 का हिस्सा नहीं होंगी, अब इनकी जगह संयुक्ता नजर आएंगी। वहीं खलनायक रोल में बालकृष्ण के दुश्मन के रूप में आदि पिनिसेट्टी नजर आएंगे। इससे पहले यह सराईनोडु फिल्म में विलेन भूमिका में नजर आ चुके हैं।

बोयापति-नंदमुरी की जोड़ी ने किया धमाल

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु ने साथ मिलकर तीन ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। तीनों फिल्में- सिम्हा, लीजेंड और अखंड बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी। इसके बाद बोयापति की यह चौथी फिल्म अखंड 2-तांडवम है।

अखंड 2 में सितारे आएंगे नजर

फिल्म अखंड 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। इसे हिंदी, अंग्रेजी के अलावा कई अन्य हिंदी भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म में संयुक्ता मुख्य भूमिका में हैं, जिसका निर्माण 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपीचंद अचंता ने किया है। थमन ने संगीत तैयार किया है। यह फिल्म 25 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहले पार्ट ने की थी बंपर कमाई

नंदमुरी बालकृष्ण और प्रज्ञा जैसवाल अभिनीत फिल्म अखंड ने 100 करोड़ रूपये से ज्यादा की कमाई की थी। यह एक्शन ड्रामा फिल्म दर्शकों को बहुत पसंद आई थी, अब इसके दूसरे पार्ट को इंतजार लोगों से बेसब्री से है।

ओटीटी से मोटी रकम वसूलते हैं ये अभिनेता

कोविड महामारी के बाद से ओटीटी की दुनिया ने सिनेमा प्रेमियों के बीच में अपनी खास जगह बनाई। दर्शकों का एक बड़ा तबका ओटीटी पर शिफ्ट हुआ। इस बदलाव ने बहुत सारे कलाकारों के लिए नए अवसर भी पैदा किए। इसकी बदौलत अभिनय की दुनिया के कई कलाकार ओटीटी के माध्यम से उभर कर सामने आए। बॉलीवुड के कई दिग्गज अभिनेताओं ने भी ओटीटी का रुख किया। बड़े पर्दे पर मोटी रकम वसूलने वाले अभिनेताओं ने ओटीटी की दुनिया में भी फीस लेने में अव्वल रहें। आइए आज हम कुछ ऐसे ही अभिनेताओं के बारे में जानते हैं, जो ओटीटी पर अभिनय करने के लिए अच्छी-खासी फीस वसूलते हैं।

अजय देवगन

अभिनेता अजय देवगन बॉलीवुड के दिग्गज सितारों में से एक हैं। अपने करियर में उन्होंने कई सारी सुपरहिट फिल्में की हैं। 'रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस' से उन्होंने ओटीटी में डेब्यू किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस सीरीज के लिए अभिनेता ने 125 करोड़ की फीस ली थी।

सैफ अली खान

सैफ अली खान बड़े पर्दे के साथ-साथ ओटीटी पर भी धमाल मचा चुके हैं। अभिनेता 'सेक्रेड गेम्स' और 'तांडव' जैसी वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह अपने प्रोजेक्ट के लिए 15 करोड़ रुपये की फीस लेते हैं।

जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत ने बॉलीवुड के अलावा कई ओटीटी फिल्मों और सीरीज में काम किया है। हाल ही में उनकी वेब सीरीज 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई। इससे पहले वह 'थ्री ऑफ अस', 'महाराज', 'पाताल लोक' और अन्य की कई वेब सीरीज में नजर आ चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अपने प्रोजेक्ट के लिए 20 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं।

पंकज त्रिपाठी

पंकज त्रिपाठी ने अपने करियर की शुरुआत बॉलीवुड फिल्मों से की, लेकिन उन्हें असली पहचान ओटीटी से मिली। लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में 'कालीन भैया' के किरदार ने उन्हें जन-जन के बीच मशहूर कर दिया। वह एक बेहतरीन अभिनेता भी हैं। वह बहुत सारी ओटीटी फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अपने एक प्रोजेक्ट के लिए 12 करोड़ रुपये की फीस लेते हैं।

करीना कपूर खान

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने बड़े पर्दे के अलावा ओटीटी की दुनिया में भी अपना जलवा बिखेरा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक ओटीटी प्रोजेक्ट में काम करने के लिए 10 से 12 करोड़ रुपये की फीस लेती हैं।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673